■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 95 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 30-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राजद के लोगों ने आडवाणी की रथ यात्रा रोककर पाप किया था : योगी

6 अक्षय नवमी : सनातन आस्था और अक्षय पुण्य का पर्व

7 कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

फर्स्ट टेक

भारत ने ताजिकिस्तान के आयनी में स्थित एयरबेस को खाली किया

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर (भाषा) भारत ने द्विपक्षीय समझौते की समाप्ति के बाद ताजिकिस्तान के आयनी में स्थित एक रणनीतिक हवाई अड्डे से अपना परिचालन समेटने के बाद इसे खाली कर दिया है। इस मामले से परिचित लोगों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे के विकास और संयुक्त परिचालन के लिए भारत और ताजिकिस्तान की सरकार के बीच समझौता लगभग चार साल पहले समाप्त हो गया था। भारत सोवियत काल के इस हवाई अड्डे के विकास में शामिल था, जिसमें इसके रनवे ईंधन डिपो और एक हवाई यातायात नियंत्रण सुविधा को मजबूत करना शामिल था। हालांकि, भारत ने 2022 में ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे के पास स्थित इस हवाई अड्डे से अपने कर्मियों और सैन्य उपकरणों को वापस ले लिया था, लेकिन अपनी उपस्थिति समाप्त करने का कारण हाल में सामने आया है।

रूस ने असीमित दूरी तक मार करने में सक्षम ड्रोन का सफल परीक्षण किया

मॉस्को, 29 अक्टूबर (भाषा) राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि रूस ने असीमित दूरी तक मार करने में सक्षम व परमाणु ऊर्जा से संचालित सबमर्सिबल ड्रोन का सफल परीक्षण किया है। एक सैन्य अस्पताल के दौरे के दौरान सैन्यकर्मियों के साथ टेलीविज़न पर बातचीत में पुतिन ने कहा कि 'पोसाइडन' नामक परमाणु ऊर्जा संचालित स्वचालित मानव-रहित सबमर्सिबल यान जो रूस की सबसे उन्नत संभावित 'सारमैट' बैलिस्टिक मिसाइल से भी कहीं अधिक शक्तिशाली है, का मंगलवार को सफल परीक्षण किया गया। पुतिन ने कहा कि पोसाइडन ड्रोन को एक मुख्य पनडुब्बी से प्रक्षेपित किया गया था और यह एक रणनीतिक पनडुब्बी के रिएक्टर से 100 गुना छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र से लैस है।

आईएनएस सहयाद्री जापान का सासेबो बंदरगाह पहुंचा

नई दिल्ली/भाषा। स्वदेश में निर्मित 'स्टील्थ फ्रीगेट' वर्ग का पोत आईएनएस सहयाद्री हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लंबी दूरी के सैन्य अभियान के तहत अपनी तैनाती के दौरान जापान के सासेबो बंदरगाह पर पहुंचा। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) के कर्मियों ने 28 अक्टूबर को सासेबो पहुंचने पर पोत का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि सासेबो जापान में दूसरा बंदरगाह है जहां आईएनएस सहयाद्री 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लंबी दूरी के सैन्य अभियान से जुड़ी तैनाती' के दौरान पहुंचा।

30-10-2025 सूर्यास्त 5:53 बजे	31-10-2025 सूर्योदय 6:13 बजे
BSE 84,997.13 (+368.98)	NSE 26,053.90 (+117.70)
सोना 12,603 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 150,894 रु. प्रति किलो

प्रधानमंत्री का अपमान करने पर राहुल को भुगतना होगा बड़ा खामियाजा : शाह

■ जब भी कांग्रेस मोदी का अपमान करने के लिए निम्न स्तर पर उतरी है, उस कीचड़ से कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) बहुत अच्छी तरह खिला है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर (भाषा) केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छठ मईया के प्रति भक्ति को नाटक बताकर 'छठ मईया' के सभी भक्तों का अपमान किया है और कांग्रेस नेता एवं महागठबंधन को आगामी बिहार चुनाव में इसका बड़ा खामियाजा भुगतना होगा।

शाह ने समाचार चैनल 'न्यूज18 इंडिया' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि पूरा देश छठ मईया की आराधना करता है, श्रद्धापूर्वक अर्घ्य देता है और छठ पर्व के दिन प्रसाद भी ग्रहण करता है। उन्होंने कहा, राहुल जी ने चुनावों में मोदी जी का विरोध करते हुए और उनका अपमान करते हुए, अंततः छठी मईया का ही अपमान कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।''

मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहां तक मतदाताओं द्वारा कहने पर नाच भी सकते हैं।

बिहार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''अगर मोदी जी ड्रामा करना चाहते हैं, छठ पूजा का ड्रामा करना चाहते हैं, तो पानी आएगा, वीडियो कैमरा आएगा।''

गांधी की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए शाह ने कहा, अगर मोदी जी छठ के त्योहार का सम्मान करते हैं और उन्हें (राहुल गांधी) यह 'नौटंकी' लगता है, तो राहुल जी मोदी जी का अपमान नहीं कर रहे हैं। राहुल जी ने छठ मईया के सभी भक्तों, बिहार और पूरे पूर्वांचलियों का अपमान किया है। और मेरा मानना है कि बिहार चुनाव में उन्हें इसका बड़ा खामियाजा भुगतना होगा।

बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के लोगों को पूर्वांचली कहा जाता है।

शाह ने कहा कि जब भी कांग्रेस मोदी का अपमान करने के लिए निम्न स्तर पर उतरी है, उस कीचड़ से कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) बहुत अच्छी तरह खिला है। उन्होंने कहा, बिहार के मतदाता छठ मईया और नरेन्द्र मोदी जी, दोनों का यह अपमान कभी नहीं भूलेंगे। संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) गठबंधन को मतदान के दिन इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राफेल में भरी उड़ान

■ अंबाला स्थित वायुसेना स्टेशन पर पहुंचकर वायुसेना के राफेल विमान में अपनी पहली उड़ान को लेकर मैं बहुत प्रसन्न हूं। राफेल में उड़ान भरना मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंबाला/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को हरियाणा के अंबाला में स्थित वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी और इसे 'अविस्मरणीय' अनुभव बताते हुए कहा कि इससे उनके अंदर देश की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नयी भावना जगी है। मुर्मू दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। अप्रैल 2023 में, सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर मुर्मू ने असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन पर सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी।

राफेल विमान में सवार होने से पहले राष्ट्रपति ने 'जी-सूट' पहना था। हाथ में हेलमेट लिए और धूप का चश्मा लगाए मुर्मू ने एयर चीफ मार्शल और वायुसेना के कुछ अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाईं।

पूर्वाह्न 11 बजकर 27 मिनट पर विमान के उड़ान भरने से पहले राष्ट्रपति ने विमान के अंदर से हाथ हिलाकर अभिवादन किया। विमान ने लगभग 30 मिनट तक उड़ान भरी और लगभग 200 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद वापस वायुसेना स्टेशन पर लौटा।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विमान 17वीं स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी ने उड़ाया।

बयान में कहा गया है कि राफेल विमान ने समुद्र तल से लगभग 15,000 फुट की ऊंचाई पर और लगभग 700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरी।

एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने भी इसी एयरबेस से एक अलग विमान में उड़ान भरी।

राष्ट्रपति ने बाद में आगंतुक पुस्तिका (विजिटर बुक) में लिखा, अंबाला स्थित वायुसेना स्टेशन पर पहुंचकर वायुसेना के राफेल विमान में अपनी पहली उड़ान को लेकर मैं बहुत प्रसन्न हूं। राफेल में उड़ान भरना मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। उन्होंने लिखा, इस शक्तिशाली विमान में पहली उड़ान ने मेरे अंदर देश की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नयी भावना जगाई है। मैं भारतीय वायुसेना और अंबाला स्थित वायुसेना स्टेशन की पूरी टीम को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देती हूं।

बाद में, मुर्मू ने शाम को 'एक्स' पर एक पोस्ट में राफेल उड़ान के अपने अनुभव के बारे में अधिक जानकारी दी। राष्ट्रपति ने कहा, ''राफेल की यह उड़ान मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है। इस आधुनिक विमान में आज मैं इस प्राचीन भूमि (हरियाणा की) और ब्रह्मसरोवर (कुरुक्षेत्र में) को देख रही हूं, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक यात्रा का प्रतीक है।

भारत, चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चीन ने मौजूदा तंत्र का उपयोग करते हुए पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक और उच्चस्तरीय सैन्य वार्ता की।

कोर कमांडर स्तर की बैठक 25 अक्टूबर को वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय हिस्से में 'मोल्डो-चुशूल' बिंदु पर हुई। अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के बाद दोनों सेनाओं के बीच यह पहली ऐसी बातचीत थी।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि वार्ता मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।

मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने अक्टूबर 2024 में कोर कमांडर स्तर की 22वें दौर की बैठक के बाद से हुई प्रगति पर ध्यान दिया और इस बात पर सहमति जताई कि भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखा गया है।

इसने कहा, ''दोनों पक्ष स्थिरता बनाए रखने के लिए सीमा पर किसी भी जमीनी मुद्दे को सुलझाने के लिए मौजूदा तंत्र का उपयोग जारी रखने पर सहमत हुए।''

विजयपुरा में लगातार भूकंप से दहशत, दो महीने में 11 झटके

विजयपुरा। विजयपुरा जिले में लगातार आ रहे भूकंपों ने लोगों की नींद उड़ा दी है। पिछले दो महीनों में 11 झटके दर्ज किए गए हैं। मंगलवार रात 11:41 बजे के बाद बुधवार सुबह भी करीब 5:30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों बार कंपन के बाद लोग घरों से बाहर भागे। कई इलाकों में सीसीटीवी कैमरों ने भूकंप के दौरान का पूरा दृश्य कैद कर लिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जैसे ही झटके लगे, दीवारे और सड़कों पर खड़े वाहन हिलने लगे और कुत्ते जोर-जोर से भौंकने व चीखने लगे। भूकंप के केंद्र के बाहर रिक्टर स्केल पर 3.0 तीव्रता दर्ज की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तीव्रता मध्यम स्तर की है, लेकिन बार-बार आने से खतरा बढ़ रहा है। अभी तक किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन लोग सहमे हुए हैं।

'मैं भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा हूं' : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

सियोल/भाषा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत के बीच बुधवार को कहा, ''अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा है।''

दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सीईओ शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति उनके मन में बहुत सम्मान एवं स्नेह है। ट्रंप ने कहा, ''यदि आप भारत और पाकिस्तान की बात करें... तो मैं भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा हूं और जैसा कि आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए मेरे मन में बेहद सम्मान एवं स्नेह है, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।'' इसके बाद व्यापार समझौते के विषय पर अधिक विस्तार से बात किए बिना ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई की शुरुआत में हुए विवाद को सुलझाने का दावा किया।

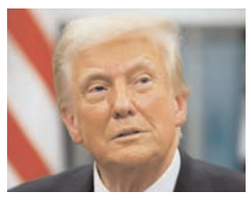

ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद दोनों देशों के तनाव कायम हैं। इस 50 प्रतिशत शुल्क में रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है।

भारत रणनीतिक स्वायत्तता, शांति और समावेशी विकास का प्रतीक : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को वैश्विक तनाव, व्यापार व्यवधानों और आपूर्ति शृंखलाओं में बदलाव के बीच भारत को दुनिया के लिए एक स्थिर प्रकाश स्तंभ बताया। मुंबई में भारतीय समुद्री सप्ताह-2025 में 'मैरीटाइम लीडर्स कॉनक्लेव' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, भारत रणनीतिक स्वायत्तता, शांति और समावेशी विकास का प्रतीक है।

मोदी ने कहा कि भारत का जीवंत लोकतंत्र और विश्वसनीयता ऐसी चीजें हैं जो भारत को विशेष बनाती हैं। उन्होंने कहा, जब वैश्विक समुद्र में उथल-पुथल मची होती है, तो दुनिया एक स्थिर प्रकाश स्तंभ की तलाश करती है। भारत पूरी मजबूती के साथ ऐसे प्रकाश स्तंभ की भूमिका निभा सकता है।

मोदी ने कहा, वैश्विक तनाव, व्यापार व्यवधान और बदलती आपूर्ति शृंखलाओं के बीच भारत रणनीतिक स्वायत्तता, शांति और समावेशी विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देश की समुद्री और व्यापार पहल एक व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा हैं और उन्होंने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे को भविष्य में व्यापार मार्गों को पुनर्परिभाषित करने के एक उदाहरण के रूप में उद्धृत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत का समुद्री क्षेत्र तीव्र गति और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के बंदरगाह अब विकासशील देशों वाले सबसे कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं। उन्होंने कहा, हमने एक सदी से भी अधिक पुराने औपनिवेशिक नौवहन अधिनियमों को 21वीं सदी के लिए अनुरूप आधुनिक और भविष्योन्मुखी कानूनों से बदल दिया है।

मोदी ने कहा, आज, भारत के बंदरगाह विकासशील देशों में सबसे कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं। कई मायनों में, वे विकसित देशों से भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नये जहाजरानी कानून राज्य समुद्री बोर्डों की भूमिका को मजबूत करते हैं तथा बंदरगाह प्रबंधन में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के एकीकरण को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि 'भारत के नौवहन दृष्टिकोण' के तहत 150 से अधिक पहल शुरू की गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप समुद्री क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं।

मोदी ने कहा कि भारत के प्रमुख बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है और 'टर्नअराउंड' समय में उल्लेखनीय कमी आई है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नमक हराम

कुछ लगा रहे नारे जम कर,
कह कर खुद को खालिस्तानी।
कुछ नक्सलवादी बने हुए,
कर रहे देश में मनमानी।
कुछ तोड़ रहे हैं देश आज,
फितरत जिनकी पाकिस्तानी।
थाली में छेद कर रहे हैं,
बन करके वे हिंदुस्तानी।।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरभंगा/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दावा किया कि भारत-पाकिस्तान सीमा पार चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में अच्छी-खासी संख्या में पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई उस समय की गई जब पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्या से पूरे देश में आक्रोश था।

दरभंगा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हम पड़ोसी पाकिस्तान को सबक सिखा चुके हैं क्योंकि उन्होंने हमारे नागरिकों को मारा था। सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने कश्मीर के पर्यटन स्थल में धर्म पूछने के बाद निर्दोष नागरिकों की हत्या की थी।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत ने संयम दिखाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत जाति-धर्म आधारित राजनीति में नहीं विश्वास करता। उन्होंने कहा कि भारत की राजनीति न्याय और मानवता पर आधारित है। सिंह ने कहा कि भारत पूरे विश्व को एक परिवार मानता है और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मंत्र में विश्वास करता है। उन्होंने कहा, हमारे ऋषियों ने कभी नफरत नहीं सिखाई।

सिंह ने यह भी याद दिलाया कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर किए तो उन्होंने यह नहीं पूछा कि वह हिंदू हैं या मुस्लिम और यही इस देश की आत्मा है।

रक्षा मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य स्पष्ट था- आतंकवादियों के शिविरों को निशाना बनाना जिन्होंने हमारे लोगों को मारा था। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति सिर्फ प्रहार करने में नहीं, बल्कि मानवता, न्याय व संयम से कार्रवाई करने में निहित है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बहाल करने की क्षमता की भी प्रशंसा की।

अप्रैल में पहलगाम की बैसरण घाटी में आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें पर्यटन शामिल थे।

भारत 'उभर चुकी बाजार' अर्थव्यवस्था का दर्जा पाने की राह पर : आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि लगातार सुधारों और आर्थिक मजबूती के कारण भारत आने वाले दशकों या संभवतः अगले कुछ वर्षों में ही 'उभरते हुए बाजार' से 'उभर चुके बाजार' का दर्जा हासिल कर सकता है।

गुप्ता ने 'बिजनेस स्टैंडर्ड बीएफएसआई इनसाइट समिट' में कहा कि भारत के नीतिगत ढांचे लगातार विकसित हो रहे हैं और ये इस समय वैश्विक स्तर पर सबसे अच्छे ढाचों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि देश की विनिमय दर 1991 तक विनियमित थी और अब यह तेजी से बाजार संचालित हो रही है। इसके बाहरी खाते का प्रबंधन भी अच्छी तरह से किया गया है।

डिप्टी गवर्नर ने कहा, ''देश के विविध भुगतान संतुलन में अंतर्निहित ताकतें हैं। चालू खाते की बात करें तो वस्तु व्यापार घाटा मजबूत सेवा निर्यात और प्रेषण प्राप्तियों से संतुलित किया गया है। तेल की कीमतें पहले की तरह निराशाजनक नहीं हैं।

51 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 51 माओवादियों ने बुधवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति और शांति, संवाद एवं विकास पर केंद्रित निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप आज 51 माओवादियों ने हिंसा का मार्ग त्याग कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन' योजना के अंतर्गत मुख्यधारा में लौटने वाले इन माओवादियों में नौ महिला और 42 पुरुष हैं, जिन पर कुल 66 लाख का इनाम घोषित था।

भारत-ईयू एफटीए के जल्द पूरा होने से बड़े बदलाव संभव: जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द पूरा करने से बड़े बदलाव संभव हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि ये बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और लोकतांत्रिक ताकतों को मजबूत करने के नजरिये से होंगे। उन्होंने 27 देशों के यूरोपीय संघ के एक उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद यह बात कही।

सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए भारत आया है।

जयशंकर ने कहा, ''इस बात पर चर्चा हुई कि भारत और यूरोपीय संघ कैसे तालमेल को अधिकतम कर सकते हैं और सहयोग को मजबूत कर सकते हैं। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिर हो सकती है और लोकतांत्रिक ताकतें मजबूत होंगी।''

उन्होंने कहा, ''भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को शीघ्र पूरा कर इन उद्देश्यों में बड़ा अंतर ला सकता है।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दिसंबर तक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है।

अमेरिका सहित कुछ देश तेल और गैस का इस्तेमाल कम करने में बाधा डाल रहे : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित चार विकसित देश पेरिस समझौते के बाद से तेल और गैस का इस्तेमाल चरणबद्ध ढंग से खत्म करने में बाधा डाल रहे हैं।

मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और नॉर्वे इस दिशा में प्रगति को पटरी से उतारने के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। दूसरी ओर बाकी दुनिया ने जीवाश्म ईंधन उत्खनन को या तो धीमा कर दिया है या कम कर दिया है।

शोध संस्थान ऑयल चेंज इंटरनेशनल ने ''ग्रह विध्वंसक: पेरिस समझौते के बाद से वैश्विक उत्तरी देश हालात को बिगाड़ रहे'' शीर्षक वाली रिपोर्ट में यह बात कही। इसमें कहा गया कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और नॉर्वे ने मिलकर 2015 और 2024 के बीच अपने तेल और गैस उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि की, जबकि शेष विश्व में कुल मिलाकर उत्खनन में दो प्रतिशत की गिरावट आई।

पेरिस समझौते के बाद से तेल और गैस उत्खनन में हुई शुद्ध वैश्विक वृद्धि में अकेले अमेरिका का योगदान 90 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे प्रतिदिन लगभग 1.1 करोड़ बैरल तेल के बराबर उत्पादन बढ़ा है, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में पांच गुना से भी अधिक है।

प्रमुख उत्पादकों में ऑस्ट्रेलिया का उत्पादन 77 प्रतिशत बढ़ा, जबकि कनाडा और नॉर्वे ने क्रमशः 28 प्रतिशत और सात प्रतिशत उत्पादन बढ़ाया।

इसके विपरीत सऊदी अरब, अल्जीरिया और कतर जैसे कई वैश्विक दक्षिण देशों ने उत्पादन को स्थिर रखा है या इसे कम कर दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ये देश तेल और गैस राजस्व पर कहीं अधिक निर्भर हैं, फिर भी वे जीवाश्म ईंधन से दूर जाने के लिए अमीर देशों की तुलना में अधिक संयम बरत रहे हैं।

ऑयल चेंज इंटरनेशनल के वैश्विक नीति प्रमुख रोमेन इउआलेन ने कहा, ''10 साल पहले पेरिस में, देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का वादा किया था, जो जीवाश्म ईंधन के विस्तार और उत्पादन को खत्म किए बिना असंभव है। जलवायु संकट के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार अमीर देशों ने यह वादा नहीं निभाया है। इसके बजाय, उन्होंने आग में घी डाला है और आवश्यक धनराशि रोक दी है।''

सोना 2,600 रुपए बढ़कर 1,24,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी भी चमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फेडरल रिजर्व के नीतिगत नतीजों से पहले सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी के नए दौर के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 2,600 रुपए बढ़कर 1,24,400 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गईं। इससे दो सत्रों से चली आ रही गिरावट थम गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने बताया कि 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,600 रुपए बढ़कर 1,23,800 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,21,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 1,21,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''बुधवार को सोने की कीमतों में उछाल आया और फेडरल रिजर्व की मौद्रिक बैठक के नतीजे आने से पहले यह 4,000 डॉलर प्रति औंस के मनोवैज्ञानिक स्तर पर पहुंच गया।'' चांदी की कीमतों में भी तेज उछाल आया और इसकी कीमतें 6,700 रुपए बढ़कर 1,51,700 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। मंगलवार को चांदी की कीमत 1,45,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। गांधी ने कहा कि पश्चिम एशियाई क्षेत्र में भू-राजनीतिक चिंताएं बढ़ने के बाद सौदेबाजी में खरीदारी और सुरक्षित निवेश वाले संसाधनों की फिर से मांग बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 77.26 डॉलर यानी 1.95 प्रतिशत बढ़कर 4,029.53 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस तरह तीन दिनों से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया।

जब तक ट्रंप को मंडुए की रोटी या बिस्कुट खाते नहीं देखूंगा, तब तक बूढ़ा नहीं होउंगा: हरीश रावत

देहरादून/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने बुधवार को मंडुआ (एक मोटा अनाज) की वकालत करते हुए अनूठे अंदाज में अपने राजनीतिक विरोधियों को संदेश दिया कि वह अभी बूढ़े नहीं होंगे। चमोली जिले के गैरसैंण में 'लोक संस्कृति एवं कृषि विकास मेले' में अपने संबोधन में रावत ने कहा, ''मैंने यह तय कर लिया है कि जब तक मैं व्हाइट हाउस में (अमेरिका के राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप को मंडुए की रोटी या बिस्कुट खाते हुए नहीं देखूंगा, तब तक के लिए मैंने बूढ़ा होने से इनकार कर दिया है।''

रावत ने मंगलवार को भी रुद्रप्रयाग जिले के जखोली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि जब तक ट्रंप मंडुए का बिस्कुट नहीं खाएंगे, तब तक वह बूढ़े नहीं होंगे और मैदान नहीं छोड़ेंगे।

गोयल ने जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं, कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर निर्भरता कम करने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि देश के लिए जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं, प्रमुख प्रौद्योगिकियों पर नियंत्रण और कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता कम करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना केवल भारत में विनिर्माण, डिजाइन या विकास तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की दीर्घकालिक वृद्धि और संप्रभुता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विदेशी प्रौद्योगिकी, विदेशी हथियारों, विदेशी ऊर्जा स्रोतों और विदेशी महत्वपूर्ण तकनीकों पर निर्भरता कम करना देश की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''वास्तव में, इस दशक ने कोविड से लेकर अब तक हमें कई बार सचेत किया है कि जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं का होना, अपनी प्रौद्योगिकी का होना, तकनीकों पर नियंत्रण होना और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आवश्यक आपूर्ति पर नियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने यहां टाईइकॉन कार्यक्रम में कहा, ''कुछ क्षेत्रों और कुछ बेहद महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए भारत ने आज दुनिया का केवल 'बैक ऑफिस' या दुनिया का सॉफ्टवेयर प्रदाता होने से आगे बढ़कर नवाचार का वैश्विक इंजन बनने का संकल्प लिया है।'' उन्होंने कहा कि भारत के तकनीकी स्टार्टअप को दुनिया भर में भारी मूल्यांकन मिल रहा है। गोयल ने यह भी कहा कि स्टार्टअप के वित्तपोषण कार्यक्रम 'फंड ऑफ फंड्स' का दूसरा संस्करण पूरी तरह से डीप टेक निवेश के लिए समर्पित हो सकता है।

अनिल अंबानी की कंपनियों से लेनदेन के कारण यस बैंक को 2,700 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ: सीबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर द्वारा अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली वित्तीय कंपनियों में निवेश करने के 'एकतरफा फैसले' के कारण बैंक को 2,700 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। यस बैंक और अनिल अंबानी की कंपनियों के बीच कथित धोखाधड़ी वाले लेनदेन से संबंधित एक मामले में सीबीआई के आरोपपत्र में यह बात कही गई है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले महीने अनिल अंबानी, राणा कपूर और उनके परिवार के सदस्यों सहित 13 लोगों और संस्थाओं के खिलाफ ऋण और निवेश से संबंधित आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आरोप पत्र दायर किया था। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि मामले में अनिल अंबानी के बेटे और रिलायंस कैपिटल के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक अनमोल अंबानी की भूमिका के संबंध में आगे की जांच जारी है। यह मामला यस बैंक के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा दर्ज की गई दो अलग-अलग शिकायतों पर आधारित है। आरोप पत्र के अनुसार जब राणा कपूर यस बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे, तब बैंक ने 2017 और 2019 के बीच अनिल धीरूभाई अंबानी (एडीए) समूह की वित्तीय कंपनियों में 5,010 करोड़ रुपए का निवेश किया।

एनवीडिया पांच लाख करोड़ डॉलर के मूल्यांकन वाली पहली कंपनी बनी

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिकी चिप विनिर्माता एनवीडिया पांच लाख करोड़ डॉलर का बाजार पूंजीकरण हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी बन गई है। महज तीन महीने पहले इसने चार लाख करोड़ डॉलर की पहली कंपनी बनने का भी मुकाम हासिल किया था।

एनवीडिया के बाजार मूल्यांकन में जबर्दस्त तेजी के पीछे कृत्रिम मेधा (एआई) को लेकर दुनिया भर में बढ़ती मांग को माना जा रहा है। एआई के विकास में एनवीडिया के बनाए चिप की अहम भूमिका है। विशेषज्ञ इसे 18 साल पहले एप्पल के दिवंगत संस्थापक स्टीव जॉब्स द्वारा पहले आईफोन की पेशकश के बाद प्रौद्योगिकी जगत का सबसे बड़ा बदलाव बता रहे हैं। एप्पल आईफोन की व्यापक सफलता के दम पर ही एक, दो और तीन लाख करोड़ डॉलर वाली पहली सूचीबद्ध कंपनी बनी थी।

हालांकि, केंद्रीय बैंकों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने एनवीडिया के मूल्यांकन में आए रिकॉर्ड उछाल को लेकर सतर्क रहने को भी कहा है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने हाल ही में चेतावनी दी कि एआई उछाल से बढ़े प्रौद्योगिकी शेयरों में 'अति-मूल्यांकन की स्थिति पैदा होने का खतरा है, जो गुब्बारा' कभी भी फूट सकता है।

सरकार 50 लाख रुपए तक की आय पर कर की दर घटाए: पीएचडी चैंबर

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने बुधवार को कहा कि 50 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले करदाताओं के लिए कर दरों में खासी कटौती की जानी चाहिए, जबकि 30 प्रतिशत की उच्चतम दर केवल उनसे अधिक आय वालों पर ही लागू होनी चाहिए।

वर्तमान में नई कर व्यवस्था के तहत 24 लाख रुपए से अधिक आय पर 30 प्रतिशत की दर से कर लगाया जाता है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने आगामी केंद्रीय बजट को लेकर भेजे अपने सुझावों में कहा है कि व्यक्तिगत आयकर दरों में कटौती करने से कर अनुपालन और कर-आधार दोनों बढ़ेंगे। उसने सुझाव दिया है कि 30 लाख रुपए तक की आय पर अधिकतम कर दर 20 प्रतिशत, 30 से 50 लाख रुपए की आय पर 25 प्रतिशत और 50 लाख रुपए से ऊपर की आय पर 30 प्रतिशत रखी जानी चाहिए। इससे न केवल मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी बल्कि राजस्व प्रवाह में भी स्थिरता आएगी।

उद्धव ठाकरे 'दो मुंह वाला कोबरा' हैं, दोहरे मापदंड अपनाते हैं : भाजपा नेता शेलार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता आशीष शेलार ने शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को ''दो मुंह वाला कोबरा'' कहा और उन पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। शेलार ने यह टिप्पणी ठाकरे द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मुंबई को ''निगलने की चाहत रखने वाला एनाकोंडा'' कहे जाने के दो दिन बाद की है।

शेलार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आप दो मुंह वाले कोबरा हैं उद्धव ठाकरे।'' उन्होंने कहा कि ठाकरे खुद को बाघ कहते हैं, लेकिन लोमड़ी की तरह व्यवहार करते हैं। शेलार ने कहा, ''वह तलवार चलाने की बात करते हैं, लेकिन अपने दोस्तों के खिलाफ हो जाते हैं। वह दूसरों को एनाकोंडा कहते हैं, लेकिन जहरीले सांप की तरह काम करते हैं। वह मुंबई के विभाजन की अफवाहें फैलाते हैं और फिर शहर का शोषण करते हैं।'' मंत्री ने कहा कि ठाकरे भाजपा कार्यालयों पर सवाल उठाते हैं, लेकिन अपना नया आवास 'मातोश्री-2' बनाते हैं। शहर के बांद्रा इलाके में स्थित 'मातोश्री' ठाकरे का आवास है। इससे पहले, ठाकरे ने शाह पर तब निशाना साधा था जब वह चर्चगेट स्टेशन के पास नए भाजपा कार्यालय के भूमिपूजन समारोह में भाग लेने के लिए शहर आए थे।

कुछ कॉरपोरेट प्रतिद्वंद्वी हमारी छवि खराब करने के लिए चला रहे अभियान: रिलायंस ग्रुप

नई दिल्ली/भाषा। अनिल अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस ग्रुप ने बुधवार को कहा कि कुछ कॉरपोरेट प्रतिद्वंद्वी उसकी छवि खराब करने के लिए उसके खिलाफ 'झूठ और दुष्प्रचार' फैलाने का अभियान चला रहे हैं। समूह ने यह प्रतिक्रिया ऑनलाइन पोर्टल 'कोबरापोस्ट' के प्रस्तावित संवाददाता सम्मेलन से पहले दी है, जिसमें एक कॉरपोरेट समूह के खिलाफ कथित वित्तीय अनियमितताओं का 'खुलासा' किए जाने की बात कही गई है। समूह की कंपनियों- रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर ने शेयर बाजारों को भेजे बयान में कहा कि कोबरापोस्ट का कथित खुलासा 'सार्वजनिक रूप से पहले से उपलब्ध सूचनाओं का महज दोहराव है और उन्हें तोड़-मरोड़कर एवं संदर्भ से अलग पेश किया जा रहा है।'

रिलायंस ग्रुप ने कहा, ''यह जानकारी पहले से ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और इसकी जांच सीबीआई, ईडी, सेबी एवं अन्य सक्षम एजेंसियां कर चुकी हैं।'' कोबरापोस्ट पोर्टल ने प्रस्तावित अपने संवाददाता सम्मेलन के लिए भेजे गए निमंत्रण में आरोप लगाया गया है कि एक कॉरपोरेट समूह ने लगभग 28,874 करोड़ रुपए की धनराशि धोखाधड़ीपूर्ण तरीके से दूसरी जगह भेजी। रिलायंस ग्रुप ने कहा कि उसे इस संवाददाता सम्मेलन को लेकर मीडिया से कुछ सवाल प्राप्त हुए हैं। अनिल अंबानी की अगुवाई वाले समूह ने कहा, ''हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ कॉरपोरेट प्रतिद्वंद्वी, नामित व्यक्तियों और संबंधित संस्थाओं के माध्यम से, हमारे खिलाफ निरंतर दुष्प्रचार, गलत सूचना और चरित्र हनन का अभियान चला रहे हैं।''

चक्रवात 'मोंथा': मुख्यमंत्री रेड्डी ने प्रशासन को उच्च सतर्कता बरतने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को चक्रवात 'मोंथा' के प्रभाव से हुई भारी बारिश के बाद पूरे राज्य प्रशासन को उच्च सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि चक्रवात के प्रभाव, विशेष रूप से धान की कटाई पर, की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने धान और कपास खरीद केंद्रों पर विशेष व्यवस्था करने के आदेश दिए। पड़ोसी आंध्र प्रदेश के तट को रात में पार करने वाले भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के प्रभाव से बुधवार को तेलंगाना के विभिन्न जिलों में भारी बारिश हुई। थाई भाषा में 'मोंथा' का अर्थ सुगंधित फूल होता है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि खम्मम, वारंगल और नलगोंडा जिलों के सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है।

राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमों को जिला अधिकारियों की देखरेख में बारिश प्रभावित जिलों में समन्वित तरीके से बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है।

हैदराबाद में भारी बारिश के बीच रेड्डी ने स्थानीय नगर निगम अधिकारियों को शहर के जलमग्न इलाकों में लोगों को बचाने के लिए आपदा प्रबंधन दल तैनात करने का निर्देश दिया।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा), एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग के कर्मियों को जनता के अनुरोधों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

गोलकुंडा एक्सप्रेस और कोणार्क एक्सप्रेस सहित कई ट्रेन के महबूबाबाद जिले के दोनाकल जंक्शन और गुंड्रातिमादुगु स्टेशन पर रुकने और रेलवे अधिकारियों द्वारा कई अन्य ट्रेन के मार्ग बदले जाने के बाद, रेड्डी ने सुझाव दिया कि फंसे हुए यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

नदियों और नहरों के उफान पर होने के कारण, उन्होंने निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों को राहत शिविरों में पहुंचाने का आदेश दिया।

भारत को वैमानिकी उद्योग के लिए भी प्रोत्साहन योजना लानी चाहिए: एयरबस इंडिया प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विमान बनाने वाली वैश्विक कंपनी एयरबस की भारतीय इकाई के प्रमुख युर्गन वेस्टरमायर ने बुधवार को कहा कि सरकार को देश के वैमानिकी उद्योग के लिए भी उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू करने के बारे में सोचना चाहिए।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'एविएशन इंडिया एंड साउथ एशिया 2025' सम्मेलन में वेस्टरमायर ने कहा कि भारत का विमानन क्षेत्र मजबूत वृद्धि पथ पर है, लेकिन घरेलू वैमानिकी पारिस्थितिकी को सुदृढ़ बनाने के लिए दीर्घकालिक निवेश की जरूरत है। एयरबस इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा, ''वैमानिकी उद्योग दीर्घकालिक निवेश की मांग करता है। भारत में जब अन्य क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाएं हैं, तो फिर इसका दायरा वैमानिकी उद्योग तक क्यों नहीं बढ़ाया जा सकता?''

केंद्र सरकार देश में विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई योजना संचालित कर रही है। इसमें चुनिंदा क्षेत्रों की कंपनियों को स्थानीय विनिर्माण पर सरकार की तरफ से प्रोत्साहन राशि दी जाती है। एयरबस का भारत में असैन्य एवं रक्षा विमानन दोनों क्षेत्रों में ही मजबूत योगदान है। कंपनी देश में दो फाइनल असेंबली लाइन लगा रही है। एच125 हेलीकॉप्टर के लिए कर्नाटक के वेमगल और सी295 सैन्य विमान के लिए गुजरात के वडोदरा में यह असेंबली लाइन लगाई जा रही है। एयरबस भारत से वार्षिक 1.4 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के कलपुर्जों और सेवाओं की सोर्सिंग करती है। कंपनी का कहना है कि वह इस आंकड़े को और बढ़ाने की दिशा में है, क्योंकि भारत उसकी वैश्विक आपूर्ति शृंखला का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वेस्टरमायर ने कहा कि भारतीय विमानन बाजार तेजी से बढ़ रहा है और एयरबस इसमें दीर्घकालिक साझेदारी को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, भारत में हर क्षेत्र में अवसर हैं। यदि नीतिगत समर्थन और निवेश माहौल स्थिर रहे, तो भारत वैश्विक वैमानिकी निर्माण केंद्र बन सकता है।

एयरबस को पिछले कुछ वर्षों में भारतीय एयरलाइंस से भी बड़ी संख्या में विमानों के ऑर्डर मिले हैं।

बादलों में कम नमी की वजह से कृत्रिम बारिश नहीं हुई : आईआईटी कानपुर के निदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-कानपुर के निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने कहा कि भले ही दिल्ली में कृत्रिम बारिश के परीक्षण से बारिश नहीं हुई, लेकिन इससे उपयोगी जानकारी मिली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर में प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर खर्च की गई धनराशि की तुलना में इस प्रक्रिया की लागत ज्यादा नहीं है।

दिल्ली सरकार ने मंगलवार को आईआईटी-कानपुर के सहयोग से बुराड़ी, उत्तरी करोल बाग और मयूर विहार में कृत्रिम बारिश के लिए दो परीक्षण किए, लेकिन बारिश नहीं हुई। परीक्षणों के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में नाममात्र की बारिश हुई। अग्रवाल ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''यह परीक्षण 300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में किया गया। मेरे अनुमान के अनुसार, इसकी कुल लागत लगभग 60 लाख रुपए आई। यह मोटे तौर पर प्रति वर्ग किलोमीटर लगभग 20,000 रुपए होता है।'' उन्होंने कहा, ''यदि हम 1,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में यह परीक्षण करते हैं, तो इसकी लागत लगभग 2 करोड़ रुपए होगी।'' अग्रवाल ने पूरे परीक्षण की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यदि यह परीक्षण पूरे शीतकाल में किया जाए और यह मान लिया जाए कि 10 दिन में एक बार बादल छाए रहेंगे, तो इसकी लागत लगभग 25 से 30 करोड़ रुपए आएगी। आईआईटी-कानपुर के निदेशक ने कहा, ''कुल मिलाकर यह कोई बहुत बड़ी राशि नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण पर खर्च की जाने वाली धनराशि काफी बड़ी है।'' उन्होंने कहा कि बादलों में पर्याप्त नमी न होने से वर्षा होने की संभावना कम हो जाती है। अग्रवाल ने कहा, ''यह (नमी की मात्रा) केवल 15 प्रतिशत के आसपास थी। इतनी कम नमी के साथ, बारिश होने की संभावना बहुत कम है। उस दृष्टिकोण से हमें सफलता नहीं मिली, लेकिन हमें बहुत उपयोगी जानकारी मिली।''

बुधवार को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) कार्यालय में केपीसीसी के अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर एक बैठक हुई। बैठक में केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जी.सी. चंद्रशेखर और अन्य उपस्थित थे।

भाजपा नेताओं को बेंगलूरु के विकास की चिंता नहीं :डी.के. शिवकुमार

बेंगलूरु के विकास में भाजपा का क्या योगदान है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को यहां उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सवाल किया कि भाजपा नेताओं को बेंगलूरु के विकास की चिंता नहीं है। उन्होंने अपने कार्यकाल में बेंगलूरु के विकास के लिए क्या किया? शिवकुमार केपीसीसी कार्यालय में मीडिया के सवालों के जवाब दिए।

सांसद तेजस्वी सूर्या के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि वे सुरंग सड़क नहीं बनने देंगे, उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे पर तकनीकी विशेषज्ञ नहीं हूँ। वे भी विशेषज्ञ नहीं हैं। इसलिए तकनीकी विशेषज्ञों की एक अलग टीम है। वे इस पर निर्णय लेंगे। वे कह रहे हैं कि शहरी रेल परियोजना बननी चाहिए। बनने दीजिए, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। केंद्र सरकार इसके लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराए। हमारे ही राज्य के सोमन्ना केंद्रीय मंत्री हैं। उन्हें उनकी मदद लेने दीजिए, उन्हें जो करना है करने दीजिए। अगर उन्हें लड़ना है, तो लड़ने दीजिए? उन्होंने कहा कि भाजपा में तेजस्वी सूर्या और अशोक के अलावा कोई और नेता नहीं बोल रहा है।

सुरंग सड़क परियोजना के स्टील ब्रिज की तरह बिखर जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हम अपना काम करेंगे। हमारी रुचि को देखते हुए, लोग हमारे प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हमारा काम पूरा होगा।

'नवंबर क्रांति', मुख्यमंत्री परिवर्तन और दलित मुख्यमंत्री पर मंत्रियों की चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप बेवजह की बातों से खुद को थकाएँ नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या राहुल गांधी इस महीने की 20 तारीख को राज्य का दौरा करेंगे और कांग्रेस कार्यालय की आधारशिला रखेंगे, तो उन्होंने कहा, 'तारीख अभी तय नहीं हुई है। मैंने एक अनुरोध प्रस्तुत किया है। कार्यालय निर्माण स्थल के लिए दस्तावेज़ तैयार किए जा रहे हैं। आलाकमान के नेताओं ने मुझसे इस बारे में रिपोर्ट माँगी है कि इस कार्यालय के निर्माण में किन लोगों ने रुचि दिखाई है, जिनमें मंत्री, सांसद, ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हैं, और किन लोगों ने इसमें रुचि दिखाई है। मैं एक रिपोर्ट तैयार कर रहा हूँ और मुझे उसे भेजना चाहिए।' उन्होंने बताया, फिर वे तारीख तय करेंगे।

जब श्रीरामुलु के इस बयान के बारे में पूछा गया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने बिहार चुनाव के लिए 300 करोड़ रुपये का अघोषित चंदा दिया था, तो उन्होंने मज़ाक में कहा, श्रीरामुलु ने कांग्रेस पार्टी को पैसा दिया था, और हमने वही पैसा बिहार चुनाव के लिए भेजा।

केपीसीसी कार्यालय में आयोजित उच्च सदन चुनाव के लिए उम्मीदवारों की चयन बैठक के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से विधान परिषद चुनाव के लिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में पाँच या छह टिकट के दावेदार हैं। हम 8-10 दिनों में उम्मीदवारों का चयन कर लेंगे। अगली बैठक में हम विधायकों और ज़िला प्रभारी मंत्री से चर्चा करेंगे और उनकी राय लेंगे।

मेट्रो का किराया अविलम्ब कम करने का सांसद का सुझाव

राज्य सरकार की 'बेंगलूरु टनल रोड योजना' पर सांसद तेजस्वी ने कसा तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बेंगलूरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि बेंगलूरु टनल रोड अब कांग्रेस सरकार की खामियों को ढकने की कोशिश है। राज्य सरकार की 43 हज़ार करोड़ की परियोजना को जिस ढंग से सरकार क्रियान्वित करना चाहती है उससे लगता है कि इस योजना के क्रियान्वयन में कांग्रेस की मंशा कुछ ओर है। बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि इस टनल रोड पर 43 हज़ार करोड़ रुपये खर्च होंगे। 18 किलोमीटर लंबी नई सुरंग के निर्माण से बेंगलूरु की सभी यातायात समस्याओं का समाधान कैसे हो सकता है? इसमें अचानक आई किसी आपदा से कैसे निपटा जाए तथा परिवहन की व्यवहार्यता पर कोई अध्ययन नहीं किया गया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि विशेषज्ञों की बात भी नहीं सुनी जा रही है। जनता के पैसे की बर्बादी का इससे बड़ा कोई और उदाहरण नहीं है।

सूर्या ने कहा कि इस संदर्भ में हमने कई वैज्ञानिक समाधान दिए हैं ताकि बेंगलूरु के कुल 70 प्रतिशत लोग सार्वजनिक परिवहन से यात्रा कर सकें। इस संबंध में हमने 5 बिंदु रखे हैं। लेकिन सरकार की तरफ से सभी परियोजनाएँ विलंबित और धीमी चल रही हैं। किसी भी नई परियोजना शुरू करने से पहले, लंबित परियोजनाओं को पूरा करना चाहिए। कम समय और कम लागत में ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को फ़ायदा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सुरंग से कारों को प्राथमिकता मिलेगी जो कि उचित नहीं है। जनसामान्य के लिए सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए; समन्वित तरीके से काम होना चाहिए। पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ होने चाहिए। पिछले 3 सालों से सड़क पर पैदल चलने वालों की सबसे ज़्यादा मौतें हुई हैं। उन्होंने इस ओर ध्यान दिलाया कि बेंगलूरु में ऐसी घटनाएं सबसे ज़्यादा है।

उन्होंने कहा कि बेंगलूरु को उपनगरीय ट्रेनों, मेट्रो, ट्राम और रिंग रेल की ज़रूरत है। सरकार ने ख़ुद कहा है कि येलो मेट्रो लाइन शुरू होने के बाद सिल्क बोर्ड पर कार ट्रैफ़िक 37 प्रतिशत कम हो गया है। अगर हम इसे देखें, तो उन्होंने पूछा कि क्या हमें मेट्रो बढ़ानी चाहिए या कार ट्रैफ़िक के लिए सुरंग बनानी चाहिए? पर्पल मेट्रो लाइन ने ट्रैफ़िक की भीड़भाड़ को 12 से 14 प्रतिशत तक कम कर दिया है। कार से यात्रा करने वाले लोग ऐसी मेट्रो चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा तेज़ यात्रा और कम खर्चीली यात्रा के कारण हुआ है। व्यापक परिवहन योजना के तहत, बेंगलूरु के लिए 300 किलोमीटर मेट्रो लाइन की माँग है। हर 3 मिनट में एक मेट्रो ट्रेन चलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि यह भाजपा का एक वैकल्पिक सुझाव है। 300 किलोमीटर मेट्रो लाइन होने से बेंगलूरु में किसी भी जगह से पैदल 5 मिनट के भीतर एक मेट्रो स्टेशन उपलब्ध हो जाएगा। इससे किसी को भी ट्रैफ़िक में परेशानी होने की संभावना नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि लोग अपने निजी वाहन घर पर छोड़कर मेट्रो में यात्रा कर सकेंगे।

उन्होंने कहा, टनल रोड पर खर्च की जाने वाली राशि का उपयोग किया जाए, तो 5 वर्षों में, यानी 2031 तक 317 किलोमीटर मेट्रो लाइन बनाना संभव है। हालाँकि उन्होंने आलोचना की कि सरकार इसमें रुचि नहीं ले रही है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि इसी सरकार ने मेट्रो का किराया बढ़ा दिया है। यह कहते हुए कि कोननकुंटे से ओरियन मॉल जाने के लिए चार लोगों के परिवार के लिए टिकट की कीमत एक तरफ़ से 70 रुपये है। जब 4 लोग जाते हैं, तो इसकी कीमत 280 रुपये हो जाती है। निजी कार में इसकी कीमत 160 रुपये पड़ती है हालाँकि, उसमें 75 मिनट लगते हैं। तेजस्वी सूर्या ने सवाल किया कि क्या सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए या इसका इस्तेमाल करने वालों से अधिक शुल्क लिया जाना चाहिए? उन्होंने पूछा कि अगर पति-पत्नी लालबाग से ओरियन मॉल तक मेट्रो लेते हैं, तो वे 100 रुपये में 25 मिनट में पहुँच सकते हैं। अगर वे बाइक से जाते हैं, तो 30 रुपये लगते हैं। उन्होंने कहा कि मेट्रो का किराया इस तरह तय किया जाना चाहिए कि ज़्यादा लोग जा सकें। उन्होंने कहा, मेट्रो का किराया जल्द से जल्द कम किया जाना चाहिए। अब बेंगलूरु में 10 लाख लोग मेट्रो में सफ़र कर रहे हैं। 45 लाख लोग बीएमटीसी में सफ़र कर रहे हैं। कुल 55 लाख लोग पहले से ही सार्वजनिक परिवहन से सफ़र करते हैं। उन्होंने लंबित योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि कलेना अग्रहारा से नागवारा तक पिंक मेट्रो परियोजना 2020 में पूरी होनी थी। फिर उसे मार्च 2025 की दूसरी तारीख दी गई, अब इसे बढ़ाकर मार्च 2026 कर दिया गया है। उन्होंने इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि बेंगलूरु में प्रत्येक मेट्रो लाइन औसतन 5 से 6 साल की देरी से बन रही है। उन्होंने कहा कि कलेना अग्रहारा से नागवारा तक पिंक मेट्रो परियोजना सुरंग निर्माण में कठोर चट्टानों का सामना कर रही है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा कि क्या सड़क बनने पर नरम चट्टानें मिलेंगी? बैठक में भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव, प्रदेश उपाध्यक्ष मालविका अविनाश, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा आदि उपस्थित थे।

ब्लिंकिट डिलीवरी एजेंट गिरफ्तार, ब्राजीलियाई मॉडल से छेड़छाड़ का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के आरटी नगर में एक ब्राजीलियाई मॉडल के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस ने ब्लिंकिट के डिलीवरी एजेंट को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुमार राव पवार के रूप में हुई है, जो इसी इलाके का रहने वाला है। वह एक निजी कॉलेज में पढ़ाई कर रहा है और ब्लिंकिट के लिए पार्ट-टाइम डिलीवरी का काम करता है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, घटना 17 अक्टूबर की दोपहर करीब 3:20 बजे की है। ब्राजीलियाई मॉडल अपने दो 4फ्लैटमेट्स विक्टोरिया और एमिली के साथ अपार्टमेंट में रहती है। विक्टोरिया ने ब्लिंकिट ऐप से खाना ऑर्डर किया था। इसके बाद अपना खाना लेने ब्राजीलियाई मॉडल दरवाजे पर गई। शिकायत के मुताबिक, डिलीवरी एजेंट ने उसके साथ बदतमीजी की और अनुचित तरीके से छुआ। इसके बाद, डर और घबराहट में महिला ने एजेंट को धक्का देकर भगाया और दरवाजा बंद कर लिया। उसने तुरंत किसी को नहीं बताया, लेकिन बाद में अपने फ्लैटमेट्स को घटना की जानकारी दी। तीनों ने अपनी कंपनी के मैनेजर कार्तिक को फोन किया। कार्तिक ने अपार्टमेंट का सीसीटीवी फुटेज चेक किया और घटना की पुष्टि होने पर 25 अक्टूबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 75(1) और 76 के तहत केस चल रहा है। ये धाराएं यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा भंग करने से जुड़ी हैं। पुलिस जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज को सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, ब्लिंकिट कंपनी ने अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन ऐसे मामलों में कर्मचारियों की बैकग्राउंड चेकिंग और ट्रेनिंग पर जोर देने की मांग हो रही है। पीड़िता ब्राजील से मॉडलिंग के लिए भारत आई थी और स्थानीय कंपनी के साथ काम कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है। अगर दोष साबित हुआ तो सख्त सजा हो सकती है। शहर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर लोग चिंतित हैं और सोशल मीडिया पर इस घटना की चर्चा तेज है।

रेलवे व्हील फैक्ट्री में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के यलहंका स्थित रेल व्हील फैक्टरी (आरडब्ल्यूएफ) में केंद्रीय सतर्कता आयोग और रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 मनाया जा रहा है। इसकी शुरुआत में मुख्य सतर्कता अधिकारी आशीष वर्मा ने केंद्रीय सतर्कता आयोग का संदेश पढ़ा और सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में प्रमुख विभागाध्यक्षों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस सप्ताह के दौरान, भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोक सेवा में सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, धन शोधन निवारण अधिनियम, लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, और केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम जैसे विषयों पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और एक संगोष्ठी सहित विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई है।

'दपरे' ने नैतिक सार्वजनिक खरीद प्रथाओं और साइबर सुरक्षा किया जागरूकता सत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। यहां सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के अंतर्गत बुधवार को हुब्बल्ली स्थित दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) मुख्यालय, रेल सौधा में सार्वजनिक खरीद पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में आरडीएसओ के सेवानिवृत्त महानिदेशक वी. रामचंद्रन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने सार्वजनिक खरीद से संबंधित निविदाओं के संचालन में ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से बताया। उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही और उचित दस्तावेज़ीकरण के महत्व पर ज़ोर दिया और अधिकारियों से प्रत्येक निर्णय के कारणों को फ़ाइल में दर्ज करने का आग्रह किया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पूरे संगठन में सतर्कता जागरूकता और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देना है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक पी. अनंत ने अपने संबोधन में रामचंद्रन द्वारा रेखांकित नैतिक निर्णय लेने के सिद्धांतों को दोहराया। उन्होंने कहा कि एक सच्चा नैतिक निर्णय वह होता है जो कानूनी हो, सभी संबंधित पक्षों के लिए उचित हो, और जिसे सार्वजनिक करने पर किसी व्यक्ति को शर्मिंदगी न हो। बाद में, दोपहर में, दक्षिण पश्चिम रेलवे के सिग्नल एवं दूरसंचार (एस एंड टी) विभाग द्वारा रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) के सहयोग से 'साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता : सरकारी संस्थानों की सुरक्षा' विषय पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य मजबूत साइबर सुरक्षा प्रथाओं के महत्व को सुदृढ़ करना और महत्वपूर्ण सरकारी डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए रेलवे कर्मियों के बीच साइबर स्वच्छता की संस्कृति को बढ़ावा देना था।

मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. मंजुनाथ कनमड़ी ने बताया कि इन जागरूकता सत्रों में एसडीजीएम और सीवीओ ए. अन्नादुरई, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। मैसूरु, हुब्बल्ली और बेंगलूरु के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

समीक्षा बैठक

बेंगलूरु में बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व में अनुसूचित जातियों के लिए आंतरिक आरक्षण के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर समिति कक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, डॉ. एचसी महादेवप्पा, केएच मुनियप्पा, शिवराज एस. तंगडगी, एचके पाटिल, प्रियंक खरगे, बीआर तिम्मापुर, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज आदि उपस्थित थे।

स्वागत

बेंगलूरु में बुधवार को विधान सौधा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में विधान परिषद सदस्य और राज्य ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के. गोविंदराजू के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल संघ के पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात की और चर्चा की। इस मौके पर फीबा के अध्यक्ष शेख सऊद अली अल थानी, महासचिव एंड्रियास ज़ाग्लिस और कार्यकारी निदेशक (एशिया) हागोप खज़ेरियन का स्वागत मुख्यमंत्री ने किया।

चोरी के मामले में दो व्यक्ति गिरफ्तार, 72 लाख रुपये का सोना-चांदी बरामद

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु के एक घर में सेंधमारी और चोरी के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से लगभग 72 लाख रुपये मूल्य के सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बेंगलूरु के विश्वप्रिय लेआउट के एक निवासी द्वारा बेगूर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद जांच शुरू हुई थी। पुलिस के अनुसार, 16 जून को शिकायतकर्ता उडुप्पी गए थे। जब वे दो दिन बाद लौटे तो उन्होंने घर का सामने का दरवाजा टूटा हुआ और आधा खुला पाया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे 330 ग्राम सोने के आभूषण और 1.2 किलोग्राम चांदी के सामान चोरी हो गए थे। पुलिस ने हफ्तों तक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने और गिरवी लेन-देन को ट्रैक' करने के बाद मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर छह अगस्त को बेगूर लेक कोली के पास एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। अधिकारी ने कहा, पूछताछ में संदिग्ध ने स्वीकार किया कि वह और उसका साथी इस सेंधमारी के लिए जिम्मेदार थे।

आरोपी ने यह भी बताया कि चोरी का सोना कोलार गोल्ड फील्ड्स (केजीएफ) की तीन 'गिरवी' दुकानों में रखा गया है और उसने अपने साथी का विवरण भी दिया। प्राप्त जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 18 और 19 अगस्त को उन 'गिरवी' दुकानों से 233 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए। दूसरे आरोपी को 14 सितंबर को बेगूर पुलिस थाने की सीमा के भीतर एक इलाके से हिरासत में ले लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने बाद में नौ अक्टूबर से 26 अक्टूबर के बीच छह आभूषण की दुकानों से 381 ग्राम सोने के आभूषण और 470 ग्राम चांदी के सामान बरामद किए, जिनमें से तीन दुकानें चिंतामणि तालुक में और तीन केजीएफ में थीं। कुल मिलाकर 614 ग्राम सोना और 470 ग्राम चांदी बरामद की गई।

मंदिर में मूर्ति को अपवित्र करने के आरोप में बांग्लादेशी व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु। यहां एक मंदिर के गर्भगृह के बाहर रखी मूर्ति को कथित तौर पर अपवित्र करने के आरोप में 45 वर्षीय एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंदिर के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत आरोपी कबीर मंडल को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। उन्होंने बताया कि मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया। पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार सुबह मारथहल्ली के पास देवरबिसनहल्ली स्थित वेणुगोपाल मंदिर में हुई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संदेह है कि शराब के नशे में धुत व्यक्ति मंदिर परिसर में घुस गया और गर्भगृह के बाहर रखी दो मूर्तियों में से एक को अपवित्र कर दिया। अधिकारी ने बताया कि उसके कृत्य से स्तब्ध होकर मंदिर के कर्मचारियों और श्रद्धालुओं ने उसे कथित तौर पर पकड़कर मंदिर परिसर के बाहर एक खंभे से बांध दिया और पुलिस को सौंपने से पहले उसकी पिटाई की। उन्होंने बताया कि स्थानीय निवासियों का जानकार आरोपी पिछले चार-पांच सालों से इलाके में मोची का काम कर रहा है। पुलिस ने बताया कि घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

अगर शिवकुमार की किस्मत में रहा तो वह मुख्यमंत्री बनेंगे : डीके सुरेश

बेंगलूरु। कांग्रेस के सांसद डी के सुरेश ने बुधवार को कहा कि वह अपने बड़े भाई और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं और अगर उनकी किस्मत में होगा तो वह इस शीर्ष पद पर आसीन होंगे। सुरेश ने राज्य सरकार में संभावित नेतृत्व परिवर्तन और तथाकथित 'नवंबर क्रांति' के बारे में अटकलों पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि पार्टी का निर्णय अंतिम होगा और सभी इसका पालन करेंगे। अगले महीने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के ढाई साल पूरे कर रही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि उस समय नेतृत्व परिवर्तन होगा और इस संभावित घटनाक्रम को कुछ लोगों ने 'नवंबर क्रांति' कहा है। सुरेश ने बिहार चुनाव के बाद संभावित नेतृत्व परिवर्तन के इस संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, ''मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मेरे लिए नवंबर का अभिप्राय 'कन्नड़ राज्योत्सव' (राज्य स्थापना दिवस) और कन्नड़ लोगों का त्योहार मनाना है।

चित्तापुर में आरएसएस के 'पथ संचलन' कार्यक्रम पर आम सहमति के बिना 'शांति बैठक' समाप्त

कलबुर्गी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से दो नवंबर को कर्नाटक के चित्तापुर में निकाले जाने वाले 'पथ संचलन' और नौ अन्य संगठनों द्वारा इसी तरह की रैलियों की अनुमति पर चर्चा के लिए जिला प्रशासन की ओर से बुलाई गई 'शांति बैठक' में आम सहमति नहीं बन पाई। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह बैठक कर्नाटक उच्च न्यायालय की कलबुर्गी पीठ द्वारा पिछले शुक्रवार को जारी निर्देशों के तहत आयोजित की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि कलबुर्गी की उपायुक्त फौजिया तरन्नुम की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आरएसएस, 'भीम आर्मी', भारतीय दलित पैंथर्स, हसीरू सेना, कर्नाटक राज्य चलवादी क्षेमभिवृद्धि संघ, कर्नाटक राज्य रैयत संघ और गोंडा कुरुबा एसटी होराता समिति सहित 10 संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: B/TRD.2025-26/23
दिनांक: 23.10.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
देवनगोंथी स्टेशन पर मे. बीपीसीएल लिमिटेड का प्रस्तावित जीसीटी साईडिंग कार्य के संबंध में ओएचई संशोधन।	रु. 2,01,55,170.83

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.11.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
PUB/585/AAF/PRB/SWR/2025-26 टीआरडी/बेंगलूरु
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को उभारने का कार्य करें विश्वविद्यालय : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सभी विद्यार्थियों में विशिष्ट प्रतिभा एवं कौशल होता है जिसे प्रोत्साहन मिलने पर विद्यार्थी अपनी कला का प्रदर्शन कर देश एवं दुनिया में नाम रोशन करते हैं। उनके भीतर छुपे कौशल को उभारने के प्रयास विश्वविद्यालयों को करने चाहिए। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर भी विद्यार्थियों में सृजनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देते हुए नवाचारों के केन्द्र के रूप में अपनी अलग पहचान कायम करेगा। इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी अपने भीतर छुपी हुई प्रतिभा एवं गुणों को निखार सकेंगे।

राज्यपाल बागड़े बुधवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा में नवनिर्मित स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि प्रैक्टिकल ज्ञान के अभाव में डिग्री का कोई उपयोग नहीं है। इसलिए, विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तक पढ़कर डिग्री हासिल करने की अपेक्षा व्यावहारिक एवं प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करने पर अधिक ध्यान दें। उन्होंने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से विद्यार्थी के कला-कौशल में इतना निखार लाया जाए कि वे विद्यार्थी बाहर जाकर राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की अलग पहचान कायम करें। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि विद्यार्थियों में विशेष स्किल को निखारने में यह सेंटर उपयोगी साबित होगा। उन्होंने नवनिर्मित सेंटर के उद्घाटन के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बागड़े ने कहा कि प्राचीन गुरुकुल पद्धति में विद्यार्थी सुनकर सीखते थे और इससे उनकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती थी। अन्य देशों के विद्वान हमारे यहां के प्रसिद्ध नालंदा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने आते थे। हमारी इंजीनियरिंग एवं कला भी उन्नत थी। 1935 में लॉर्ड मैकाले यहां के लोगों को गुलाम बनाने के लिए अंग्रेजी शिक्षा पद्धति लेकर आया और हमारी प्राचीन शिक्षा पद्धति बंद करवा दिया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि शिक्षा जितनी व्यापक एवं गहरी होगी हमारा समाज उतना ही संपन्न होगा। 2020 में लाई गई नई शिक्षा नीति भी पूरे देश के 400 कुलपतियों एवं 1000 शिक्षाविदों ने दो साल तक मंथन करने के बाद तैयार की है। नई शिक्षा नीति से विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता का विकास होगा और भारत विश्वगुरु बनने की और अग्रसर होगा।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 11 सालों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। देश की अर्थव्यवस्था विश्व में चौथे पायदान पर पहुंच गई है और शीघ्र ही तीसरे पायदान पर पहुंच जाएगी। उन्होंने सभी विद्यार्थियों का आह्वान किया कि आगे बढ़कर राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में योगदान दें। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान कर उनमें कौशल विकसित करना है। हमारे तकनीकी विश्वविद्यालय इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। शिक्षा में अब केवल पाठ्यपुस्तक एवं कक्षा-कक्ष तक सीमित नहीं रहकर विद्यार्थी को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. निमित चौधरी ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

महाराणा प्रताप का बलिदान, देशभक्ति युगों-युगों तक गूंजती रहेगी: ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कोटा जिले के रामगंज मंडी कस्बे में मेवाड़ के पूर्व राजा महाराणा प्रताप की भव्य अश्वारोही प्रतिमा का अनावरण किया। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस समारोह में उपस्थित थे। बिरला ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वाभिमान किसी भी शक्ति या वैभव से बढ़कर है। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में एक शक्तिशाली सेना के खिलाफ लड़ते हुए महाराणा प्रताप के हृदय में प्रज्वलित ज्वाला ने ही मुगल सल्तनत के अहंकार को कुचल दिया था।

बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के गौरव हैं और उनका जीवन एक प्रकाश स्तंभ है, जो हमारी आंतरिक शक्ति को सदैव नयी ऊर्जा प्रदान करता रहेगा। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि महाराणा प्रताप का नाम सुनते ही प्रत्येक भारतीय के हृदय में गौरव और श्रद्धा की भावना जागृत हो जाती है।

उन्होंने कहा कि हाड़ौती में महाराणा प्रताप की प्रतिमा उस राजा के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने अपनी मातृभूमि के सम्मान और गौरव के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल शक्ति से नहीं, बल्कि नीति, न्याय और करुणा से किया जाता है।

उन्होंने कहा, जब महाराणा प्रताप ने युद्ध के बाद भी अपनी प्रजा की रक्षा को सर्वोच्च माना, तो उन्होंने यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि एक राजा का कर्तव्य केवल शासन करना नहीं, बल्कि लोक कल्याण की रक्षा करना भी होता है। कोटा से सांसद बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप के शासन में जाति, वर्ग या पंथ का कोई भेदभाव नहीं था।

उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के शासन में सभी के लिए समान न्याय और सम्मान का वातावरण था, जो आज के लोकतांत्रिक भारत की आत्मा से गहराई से जुड़ा हुआ है। बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप ने विपरीत परिस्थितियों में भी स्वशासन और स्वाभिमान का जो असाधारण उदाहरण स्थापित किया, वह आज भी हमारे राष्ट्र का मार्गदर्शन करता है।

राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर में बुधवार को मालिक अभिनव तिवारी अपनी 16 इंच लंबी गाय के साथ जिसे पुष्कर मेले में सबसे छोटी गायों में से एक माना जाता है। इस गाय को वे जयपुर के बगरू से विभिन्न नस्लों की अन्य गायों के साथ लाए थे।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत, स्वास्थ्य आधार पर मिली सशर्त जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुधवार को आसाराम को बड़ी राहत देते हुए रेगुलर जमानत मंजूर कर दी है। यह फैसला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की डिवीजन बेंच ने सुनाया। आसाराम की ओर से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए नियमित जमानत याचिका दायर की गई थी। इस याचिका पर आज जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने आसाराम को उपचार और स्वास्थ्य संबंधी कारणों को देखते हुए राहत दी। ज्ञात हो कि आसाराम इस समय जोधपुर की जेल में यौन शोषण के मामले में सजा काट रहे हैं। इससे पहले भी उन्हें कई बार अस्थायी जमानत दी गई थी और कई बार जमानत देने से इनकार किया था। लेकिन लगातार बिगड़ते स्वास्थ्य और चिकित्सीय रिपोर्टों को देखने के बाद अदालत ने इस बार रेगुलर जमानत को मंजूरी दी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला शर्तों के साथ जमानत के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके तहत आसाराम को इलाज के दौरान अदालत द्वारा तय नियमों का पालन करना होगा।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अंत्योदय का संकल्प धरातल पर तेजी से हो रहा साकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनसेवा के मूल मंत्र को धरातल पर साकार करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। प्रदेश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए शहरी सेवा शिविर और ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से लाखों लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया है। इन शिविरों ने 18 विभागों की सेवाओं को एक ही छत के नीचे आमजन को उपलब्ध करवाकर सुशासन की नई मिसाल कायम की है।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर प्रारंभ हुए ये शिविर मुख्यमंत्री शर्मा की जनकेन्द्रित कार्यक्रमों का प्रमुख उदाहरण के रूप में उभरे हैं। इन्होंने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को मूर्त रूप दिया है। प्रशासन ने आमजन की दहलीज पर पहुंचा और जनोपयोगी कार्यों का संवेदनशीलता और पारदर्शिता से निस्तारण किया।

अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति में ये शिविर अहम साबित हुए हैं। इनसे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी आबादी को राहत मिली है। सेवा शिविरों के अब तक (17 सितम्बर से 25 अक्टूबर) 1 लाख 99 हजार से अधिक पट्टा वितरण और 2 लाख 67 हजार से अधिक मंगला पशु बीमा पॉलिसी जारी की गई है। साथ ही, 1 लाख 25 हजार से अधिक जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन, 2 लाख 8 हजार से अधिक जाति प्रमाण पत्र और 1 लाख 75 हजार से अधिक मूल निवास प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं। इसी प्रकार 2 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स का सत्यापन, 1 लाख 51 हजार से अधिक जनधन योजना के अंतर्गत बैंक खातों का खोलना तथा 1 लाख 42 हजार से अधिक नई स्ट्रीट लाइट्स को लगाना और मरम्मत कार्य किए गए हैं। वहीं, 17 लाख से अधिक किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया तथा 10 लाख 96 हजार से अधिक नागरिकों की टीबी की जांच के साथ 24 लाख 84 हजार से अधिक मरीजों का उपचार किया गया।

प्रदेशभर में आयोजित हुए इन शिविरों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर 97 हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण और जन आधार योजना में 1 लाख 14 हजार से अधिक पात्रों का संशोधन और अद्यतन किया गया। वहीं, 25 हजार से अधिक लोगों के स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण आवेदन लेने के साथ ही 75 हजार से अधिक को वय वंदन कार्ड जारी किए गए।

बिगड़े मौसम की वजह से पशु पालकों पर मौसम की मार, ठिठुरने को मजबूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर। दो दिन से बिगड़े मौसम की वजह से पुष्कर पशु मेले में पशुओं की आवक पर प्रभाव पड़ा साथ ही पशुओं का कारोबार भी प्रभावित हुआ। मंगलवार को दिनभर तेज शीतलहर चलने से रेतीले धोरों में लगे पशुओं व पशुपालकों के तंबू उखड़ गए तथा पशुपालक ठिठुरते रहे। दो दिन से पशुपालक ठंड़ व बारिश से बचाव के जतन कर रहे है। कोई पशुओं को बोरियां, चादर, प्लास्टिक की पन्नी और कंबल ओढ़ा रहे तो कोई तथा अलाव जलाकर ठंड से बचाव कर रहे है। मौसम के कारण मेला मैदान में विदेशी मेहमान भी कम नजर आए।

परबतसर के ऊंटपालक राम सिंह ने बताया कि रिमझिम बरसात व तेज हवा के कारण रात को एक पल भी नींद नहीं ले सके। बारिश व ठंड से बचाव करने में ही रात गुजर गई। वहीं सांचोर के पशुपालकों ने कहा कि अगर ऐसा ही मौसम रहा तो मेला बिखर जाएगा। पुष्कर पशु मेले में होने वाली अश्वों की खरीद-फरोख्त पर इस बार 5 प्रतिशत जीएसटी देना अनिवार्य होगा। इसके लिए पशुपालन विभाग को अश्व क्रेता-विक्रेता को एनओसी जारी करने से पहले राज्य कर विभाग को सूचित करना होगा।

बिहार को बदलाव चाहिए, महागठबंधन का चुनाव जीतना देश के लिए जरूरी : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को विपक्षी दलों के 'महागठबंधन' के लिए बिहार विधानसभा चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बिहार को बदलाव चाहिए और महागठबंधन का यह चुनाव जीतना देश के लिए जरूरी है। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के प्रदर्शन संबंधी एक सवाल पर गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा,इस बार चुनाव जीतना केवल हमारे लिए बहुत जरूरी नहीं है, बल्कि देश के लिए भी जरूरी है।

उन्होंने कहा,और यह चुनाव खाली बिहार का नहीं हो रहा है। एक प्रकार से देश में संदेश देने का चुनाव है कि हरियाणा में क्या हुआ, दिल्ली में क्या हुआ और महाराष्ट्र में क्या हुआ? उसे (भाजपा नीत राजग को) घमंड हो गया है लेकिन लोकतंत्र यह उचित नहीं है। मैं मानता हूं कि बीस साल के बाद में बिहार में बदलाव होना चाहिए। महागठबंधन बदलाव के लिए पूरी ताकत लगाएगा । हम सब एकजुट हैं और हम लोग अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे।

बिहार के लिए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक गहलोत ने एक सवाल के जवाब में नीतीश कुमार एवं भारतीय जनता पार्टी के बीच रिश्तों पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार को सरकार में 20 साल हो गये, वह कई पार्टियां बदलते गए, गठबंधन करते गए। उससे उनकी छवि भी अच्छी नहीं रही। कहां तो वह प्रधानमंत्री के उम्मीदवार थे लेकिन आज उनको भाजपा वाले पूरी तरह पूछ भी नहीं रहे हैं। गहलोत ने कहा, चाहे वह अमित शाह हों, चाहे कोई अन्य भाजपा नेता, वे बातें करते हैं कि हम तो चुनाव के बाद में देखेंगे कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा।

राजस्थान के बीकानेर स्थित एक पशु बचाव केंद्र में एक कर्मचारी तोतों को खाना खिलाता हुआ।

गाय का दूध, घी, दही, छाछ स्वास्थ्यवर्धक : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। गोपालन विभाग की ओर से गोपाष्टमी के अवसर पर प्रदेशभर गोशालाओं में गौमाता का पूजन किया गया। इसी कड़ी में बुधवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कोटा के झालावाड़ रोड स्थित लखावा गौशाला में गौमाता का पूजन किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला का निरीक्षण कर गौशाला संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कुमावत ने गाय की पूजा की और गोमाता को तिलक लगाकर माला पहनाकर कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने गौमाता को हरा चारा खिलाकर सेवा की। इस दौरान मौजूद गोभक्तों ने गो माता को रोटी, लड्डू, गुड़, हरा चारा खिलाकर पुण्य फल कमाया। साथ ही दीपक जलाकर फूलों की वर्षा करके गो माता की पूजा की। इससे पहले मंत्री कुमावत ने भगवान श्रीकृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना की । इसके बाद उन्होंने सप्त ऋषि मंदिर में परिक्रमा लगाई। इस मौके पर गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गोपाष्ठमी पर्व का महत्व बताते हुए कहा कि गोपाष्टमी के दिन गौ सेवा करने वाले व्यक्ति के जीवन में कभी कोई संकट नहीं आता। जिस प्रकार एक मां अपनी संतान को हर सुख देना चाहती है। उसी प्रकार गो माता भी सेवा करने वाले जातकों को अपने कोमल हृदय में स्थान देती हैं और उनकी हर मनोकामना पूरी करती हैं। गाय का दूध, घी, दही, छाछ और यहां तक कि उनका मूत्र भी स्वास्थ्यवर्धक होता है।

यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि हम गौमाता के ऋणी हैं। हमें उनका सम्मान करना चाहिए और सेवा करनी चाहिए। पौराणिक कथाओं में यह व्याख्या है कि किस तरह से भगवान कृष्ण ने अपनी बाल लीलाओं में गौमाता की सेवा भी की है। इस दिन गऊ पूजन से भगवान कृष्ण खुश होते हैं। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद गौ संरक्षण को बढ़ावा दिया गया है।

प्रदेश की तीन हजार से अधिक गौशालाओं को सरकारी को ओर से अनुदान दिया जा रहा है। कुमावत ने कहा कि देसी गाय के गोबर एवं मूत्र से जीरो बजट की खेती कर भारत की अर्थव्यवस्था के 16 लाख करोड़ रुपए बचाए जा सकते हैं। देसी गाय के गोबर एवं मूत्र की खेती से भारत का आदमी पूर्ण स्वस्थ बनेगा।

उन्होंने कहा कि 10 ग्राम गाय के दूध से बने घी का दीपक जलाने से वायुमंडल में एक टन ऑक्सीजन उत्पन्न होती है। इससे पहले गौशाला पहुंचने पर मंत्री कुमावत का तिलक लगाकर, दुप्पटा व फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन, सरस डेयरी, कोटा के अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़, अंता पंचायत समिति के प्रधान प्रखर कौशल, पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश मीणा, सीनियर वेटनरी ऑफिसर डॉ. जयप्रकाश मीणा, गौशाला समिति के अध्यक्ष डॉ. सचित भोला, व्यवस्थापक लोकेश कुमार सहित अनेक प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

राजद के लोगों ने आडवाणी की रथ यात्रा रोककर पाप किया था : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिवान/भोजपुर/बक्सर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद के लोगों ने करीब 35 साल पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की राम रथ यात्रा को रोक कर पाप किया था। भाजपा नेता ने बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान सिवान, भोजपुर और बक्सर जिलों में लगातार तीन सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने लालू प्रसाद के नाम लिए बगैर 1990 में समस्तीपुर की उस घटना का जिक्र किया, जिस पर राजद प्रमुख अपनी 'धर्मनिरपेक्ष' छवि के प्रमाण के रूप में अक्सर गर्व जताते रहे हैं।

योगी ने दावा किया, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण ने उस कलंक को मिटा दिया जिससे देश 500 वर्ष तक व्यथित था। लेकिन राजद के लोगों ने भगवान राम की रथ यात्रा को रोक कर पाप किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, राजद की सहयोगी कांग्रेस दावा कर चुकी है कि भगवान राम का अस्तित्व ही नहीं था।

उनका इशारा वर्ष 2007 में उच्चतम न्यायालय में दायर एक हलफनामे की ओर था, जब केंद्र में कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार थी।

योगी आदित्यनाथ ने 1989 की उस घटना को भी उठाया, जब उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस-राजद के सहयोगी समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोली चलवाने का आदेश दिया था।

लालू बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहतीं, पर दोनों पद खाली नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/दरभंगा/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महागठबंधन को 'ठगबंधन' करार दिया और कहा कि लालू प्रसाद अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री और सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं, लेकिन ये दोनों पद रिक्त नहीं हैं।

दरभंगा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कई युवा उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि राजद और कांग्रेस ऐसा नहीं कर सके, क्योंकि लालू जी बेटे को और सोनिया जी राहुल बाबा को शीर्ष पद पर बैठाना चाहती हैं। उन्होंने दावा किया कि लालू प्रसाद चारा, बिटुमेन और जमीन के बदले नौकरी' घोटालों में लिप्त रहे हैं, जबकि कांग्रेस पर 12 लाख करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए यह सवाल भी किया कि अगर राजद-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी, तो प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के गिरफ्तार सदस्यों को जेल में रखा जाएगा या नहीं? शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ही पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया और देशभर में तलाशी अभियान चलाकर उसके सदस्यों को जेल भेजा।

रैवेनशॉ विश्वविद्यालय के 15 छात्र संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण अस्पताल में भर्ती

कटक (ओडिशा)/भाषा। रैवेनशॉ विश्वविद्यालय के 15 छात्रों को संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण बुधवार को एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उल्टी कर रहे छात्रों ने दावा किया कि वे पूर्वी छात्रावास में एक 'प्यूरीफायर' से पानी पीने के बाद बीमार पड़ गए, जबकि अधिकारियों ने इस आरोप से इनकार करते हुए कहा कि नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। छात्रावास वार्डन शरत कुमार राउत ने कहा कि छात्रों की हालत ठीक है और वे चिकित्सकीय निगरानी में हैं। उन्होंने कहा, पूर्वी छात्रावास में कुल 183 छात्र रहते हैं। अगर खाने या पानी में कोई गड़बड़ी होती, तो इसका असर दूसरे छात्रों पर भी पड़ता। हमें शक है कि जो छात्र बीमार पड़े, उन्होंने बाहर कुछ खाया होगा।

राउत ने बताया कि छात्रावास के पानी और भोजन के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट से भोजन और पानी की गुणवत्ता का पता लग जाएगा।

कांग्रेस घुसपैठियों के साथ खड़ी है, वोट के लिए भारत को तोड़ रही है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर घुसपैठियों के साथ खुलेआम खड़े होने और वोट के लिए भारत को तोड़ने के एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया।

यह आरोप सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो के बाद लगाया गया है जिसमें कथित तौर पर कांग्रेस के एक नेता असम में सेवा दल की आधिकारिक बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हुए नजर आ रहे हैं। भाजपा के आरोप पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस वर्षों से बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ खड़ी रही है। इसने अपने शासन के दौरान इन घुसपैठियों को बसने में मदद की। और अब, कांग्रेस आधिकारिक तौर पर पार्टी के मंच से उनका समर्थन कर रही है और उसके नेता बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रहे हैं। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह संयोग नहीं है। यह वोट बैंक के लिए एक सोचा-समझा प्रयोग और उद्योग है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इस पर प्रतिक्रिया मांगी।

यह घटना सोशल मीडिया पर एक अज्ञात वीडियो के सामने आने के बाद हुई, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारी बिधु भूषण दास दक्षिणी असम की बराक घाटी के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस सेवा दल की बैठक में कथित तौर पर बांग्लादेश का राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पूनावाला ने आरोप लगाया, कांग्रेस के एक बड़े नेता उस बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हैं जिसने हाल ही में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर असम को अलग करने के लिए भड़काऊ बयान दिया था। कांग्रेस आधिकारिक तौर पर 'भारत के टुकड़े-टुकड़े' एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सामने आई है।

भाजपा प्रवक्ता ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य घटकों पर भी निशाना साधा और टीएमसी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार पश्चिम बंगाल में दंगे भड़काने की साजिश रच रही है, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने 11 अन्य प्रदेशों के साथ राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। उन्होंने इस संबंध में कुछ तृणमूल कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल में एसआईआर कराए जाने पर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हिंसा और हमले की धमकी दी है। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया, ममता बनर्जी ने खुद कहा है कि अगर राज्य में एसआईआर लागू किया गया तो बंगाल में दंगे होंगे। उन्होंने कहा, क्या कांग्रेस और 'इंडिया' बंगाल सरकार द्वारा दंगे भड़काने की साजिश, राज्य में एसआईआर के कार्यान्वयन और चुनाव आयोग के अधिकारियों पर हमले के बारे में कुछ कहेंगे? भाजपा प्रवक्ता ने विपक्षी दलों पर एसआईआर के कार्यान्वयन पर दोहरा मापदंड अपनाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वही विपक्ष - कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार), समाजवादी पार्टी - स्थानीय निकाय चुनावों से पहले महाराष्ट्र में एसआईआर लागू करने की मांग कर रहे हैं। पूनावाला ने विपक्ष से पूछा, ये एसआईआर (महाराष्ट्र में) अच्छा है, और बाकी 12 राज्यों में होने वाला एसआईआर बुरा? एक एसआईआर धर्मनिरपेक्ष कैसे हो जाता है और दूसरा एसआईआर सांप्रदायिक कैसे हो जाता है?

नर्मदा नदी में छोड़े जाएंगे मगरमच्छ, मध्यप्रदेश सरकार संरक्षण के लिए है प्रतिबद्धः मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार मां नर्मदा के पवित्र वाहन माने जाने वाले मगरमच्छों को इस नदी में छोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही है।

नर्मदा नदी का प्रवाह मगरमच्छों के आवास के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि बृहस्पतिवार को इन सरीसृपों को नदी में छोड़ा जाएगा। यादव इस उद्देश्य के लिए बृहस्पतिवार को खंडवा जिले के नर्मदानगर का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में वन्यजीवों और जलीय प्रजातियों, जिनमें घड़ियाल और मगरमच्छ शामिल हैं, की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले साल चंबल नदी में घड़ियाल छोड़े गए थे। यादव ने कहा कि राज्य में सभी वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में मानव और वन्यजीव एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

जलवायु परिवर्तन को लेकर उच्च स्तरीय कार्यबल की आवश्यकता: भाजपा विधायक

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक राजेश्वर सिंह ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से एक उच्च स्तरीय कार्यबल गठित करने का आग्रह किया है जो 'विकसित भारत 2047' एजेंडे के तहत देश के लिए एकीकृत जलवायु रूपरेखा तैयार कर सके। लखनऊ की सरोजिनी नगर विधानसभा सीट से विधायक ने इस महीने की शुरुआत में एक्सेटर विश्वविद्यालय, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य द्वारा प्रकाशित 'ग्लोबल टिपिंग पॉइंट्स रिपोर्ट 2025' के मद्देनजर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और उत्तर प्रदेश के उनके समकक्ष अरुण कुमार सक्सेना को एक पत्र लिखा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पृथ्वी अब अपने पहले प्रमुख जलवायु परिवर्तन 'टिपिंग पॉइंट' को पार कर चुकी है जिससे दुनियाभर में लाखों लोगों की आजीविका खतरे में पड़ गई है। जलवायु विज्ञान में, 'टिपिंग पॉइंट' वह नाजुक सीमा है जिसके पार होने पर जलवायु प्रणाली में अचानक, तेज और अक्सर अपरिवर्तनीय बदलाव होते हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूर्व अधिकारी और उच्चतम न्यायालय के वकील सिंह ने पत्र में कहा, ''मैं आग्रह करता हूं कि भारतीय संदर्भ में 'ग्लोबल टिपिंग पॉइंट्स रिपोर्ट 2025' के निष्कर्षों का विश्लेषण करने तथा भारत और उत्तर प्रदेश के लिए एक रूपरेखा तैयार करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर एक संयुक्त उच्च स्तरीय कार्यबल का गठन किया जाए।'' सिंह ने दोनों मंत्रियों को भेजे पांच पृष्ठों के अपने पत्र में वैश्विक संकेतकों पर नजर रखने तथा इन निष्कर्षों को नीतिगत निर्णयों में शामिल करने के लिए 'टिपिंग प्वाइंट' को लेकर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर जोखिम आकलन प्रकोष्ठ की स्थापना का सुझाव दिया है। विधायक ने 2026 तक एक एकीकृत जलवायु रूपरेखा विकसित करने की भी सिफारिश की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ''विकसित भारत 2047'' का दृष्टिकोण आगे बढ़े।

भक्तों ने राम मंदिर के लिए तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक का दान दिया : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भक्तों ने तीन हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का दान दिया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। मिश्र ने बताया कि 2022 में शुरू हुए निधि समर्पण अभियान के बाद से देश भर से श्रद्धालुओं ने उदारतापूर्वक दान दिया है तथा राम मंदिर निर्माण के लिए भक्तों ने तीन करोड़ रुपए से अधिक का योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि मंदिर परियोजना की कुल लागत लगभग 1800 करोड़ रुपए आंकी गई है और अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपए का बिल तैयार हो चुका है।

मिश्र ने कहा कि 2022 के बाद दान देने वाले समेत सभी दानदाताओं को आगामी 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे और मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। बुधवार को ध्वजारोहण समारोह का परीक्षण किया गया। मिश्र ने बताया कि प्रधानमंत्री के 70 एकड़ के मंदिर परिसर में शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला और सप्त मंडपम भी जाने की उम्मीद है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के अनुसार मुख्य मंदिर के अंदर एक बार में पांच हजार से आठ हजार श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था की गई है। दक्षिणी निकास द्वार तक दर्शन मार्ग में 20 मिनट लगेंगे जबकि सुग्रीव किले तक पूरे मार्ग में लगभग 40 मिनट लगेंगे। मिश्र ने बताया कि ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने और प्रधानमंत्री के दौरे एवं कार्यक्रम के विवरण पर चर्चा के लिए राम मंदिर निर्माण समिति की एक बैठक हुई।

नीतीश का रिमोट कंट्रोल भाजपा के पास, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री चला रहे हैं बिहार की सरकार : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरपुर (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान का आगाज करते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भाजपा पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे का इस्तेमाल हो रहा है, जबकि उनका रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में है। उन्होंने मुजफ्फरपुर और दरभंगा में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी एवं भाजपा सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं तथा मोदी बिहार का विकास नहीं कर सकते। इन सभाओं में महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव एवं इस गठबंधन के घटक दलों के कुछ नेता शामिल हुए।

राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का एक बार फिर दावा किये जाने का हवाला देते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दी कि वह बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान यह कहकर दिखाएं कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कभी ऐसा नहीं बोलेंगे क्योंकि उनमें दम नहीं है। राहुल गांधी का दावा था कि प्रधानमंत्री मोदी बिहार का विकास नहीं कर सकते। उन्होंने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर भी तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा, ''बिहार में 20 साल से नीतीश जी सरकार चला रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए उन्होंने क्या किया?

मुझे प्रतिका के लिए बुरा लगा लेकिन भगवान ने मुझे कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है : शेफाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। शेफाली वर्मा को प्रतिका रावल के चोटिल होने का दुख है लेकिन उन्हें लगता है कि भगवान की कृपा के कारण वह आधिकारिक रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में नहीं होने के बावजूद भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल रही हैं। प्रतिका को बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में क्षेत्ररक्षण करते समय चोट लग गयी थी। वह टखने में हेयरलाइन फ्रैक्चर के कारण इस विश्व कप से बाहर हो गयी है। शेफाली को जब भारतीय टीम का बुलावा आया तब वह सूरत में राष्ट्रीय महिला टी20 में हरियाणा की कप्तानी कर रही थीं।

शेफाली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले संवाददाताओं से कहा, ''एक खिलाड़ी होने के नाते प्रतिका के साथ जो हुआ, वह अच्छी बात नहीं थी। कोई नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी को ऐसी चोट लगे। ईश्वर ने लेकिन मुझे कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है।'' इस युवा सलामी बल्लेबाज ने हरियाणा के लिए अपने पिछले मैच में 24 गेंदों में 55 रनों की पारी खेली थी। वह इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत ए के लिए शानदार लय में थी।

पहले से अधिक फिट नजर आ रहे हैं ऋषभ पंत : सुदर्शन

बेंगलूरु/भाषा। भारत ए के उप कप्तान साई सुदर्शन ने बुधवार को कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अधिक फिट दिख रहे हैं और दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो मैचों की चार दिवसीय शृंखला में खेलने के लिए तैयार हैं।

भारत ए की कप्तानी करने वाले पंत तीन महीने के अंतराल के बाद वापसी कर रहे हैं। जुलाई में इंग्लैंड में उन्हें पैर में चोट लगी थी। उनके भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैच की टेस्ट शृंखला में खेलने की संभावना है। सुदर्शन ने भारत ए के अभ्यास सत्र के बाद कहा, ''ऋषभ वास्तव में फिट नजर आ रहे हैं। मैं कहूंगा कि वह पहले से अधिक फिट दिख रहे हैं। उनके पास अच्छी फिटनेस हासिल करने के लिए समय था। मुझे लगता है कि वो पहले से ज़्यादा फिट, मज़बूत और हमेशा की तरह निर्भीक नजर आ रहे हैं।' तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने कहा कि पंत अभ्यास सत्र के दौरान अपने चिर परिचित अंदाज में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''ऋषभ पंत का सभी को स्पष्ट संदेश था कि यह हम सभी के लिए लय हासिल करने का शानदार मौका है और हम जीतने के लिए खेलेंगे।''

'करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' से समझौता नहीं, अपराधी सलाखों के पीछे होंगे : तेजस्वी

मुजफ्फरपुर/दरभंगा/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी ने बुधवार को कहा कि उन्हें यदि सत्ता में आने का मौका मिला तो 'करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' (भ्रष्टाचार, अपराध और सांप्रदायिकता) से समझौता नहीं किया जाएगा तथा उनकी परछाई भी गलत काम करेगी तो उसे भी सजा मिलेगी। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में फैक्ट्री खोलते हैं, लेकिन 'विक्ट्री' (जीत) बिहार में चाहते हैं। राष्ट्रीय जनता दल के नेता ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ मुजफ्फरपुर और दरभंगा में दो संयुक्त सभाओं को संबोधित किया।

तेजस्वी ने दरभाग की जनसभा में कहा, प्रधानमंत्री की दिलचस्पी गुजरात में फैक्ट्री लगाने में है लेकिन बिहार में विक्ट्री चाहिए। यह नहीं होने वाला है। उन्होंने अपने चुनावी वादों का उल्लेख करते हुए कहा, हम बिहार सरकार के सभी संविदाकर्मी कर्मचारियों को स्थायी करेंगे। राजद नेता ने दावा किया कि राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा हाल में उठाए गए कई जनकल्याणकारी कदम उनकी घोषणाओं की नकल हैं। उनका कहना था, हमने 200 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा किया था। सत्ता में बैठे लोग डर गए कि यह जनता को पसंद आएगा, इसलिए उन्होंने 125 यूनिट मुफ्त कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया को भारत से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद : नित्शेके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। ऑस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली नित्शेके ने महिला विश्व कप सेमीफाइनल से पहले बुधवार को यहां कहा कि भारतीय के बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया किसी तरह के भ्रम में नहीं है और उसे इस मुकाबले में 'कड़ी टक्कर' मिलने की उम्मीद है।

भारत को इस मैच में शानदार लय में चल रही सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की सेवाएं नहीं मिलेंगी जो चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गयी है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया विश्व कप में अब तक अजेय है। उसके सामने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान भारत की चुनौती होगी। पूर्व स्पिनर नित्शेके ने ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास सत्र के पहले मीडिया से कहा, ''हमें एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है। इसमें कोई शक नहीं है। मुकाबले के लिए परिस्थितियां शानदार है और इस मैच के दौरान स्टेडियम प्रशंसकों से भरे रहने की संभावना है। '' उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि भारत का बल्लेबाजी क्रम वाकई मजबूत है। उनके बल्लेबाजों को हमारे खिलाफ रन बनाना पसंद है। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उनके लिए तैयार रहें क्योंकि भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम काफी लंबा है।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम उस बल्लेबाजी क्रम की गहराई और कौशल को लेकर किसी भ्रम में नहीं हैं। हमने निश्चित रूप से योजना बनाई है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि हम उसे सही तरीके से अंजाम दे।''

नित्शेके से जब पूछा गया कि क्या प्रतिका रावल की गैरमौजूदगी को उनकी टीम के लिए राहत की बात है। उन्होंने कहा, '' 'राहत'? मुझे पता है कि उनकी बल्लेबाजी क्रम में काफी गहराई है। इसमें कोई शक नहीं कि प्रतिका और (स्मृति) मंधाना की सलामी जोड़ी काफी सफल रही है।'' उन्होंने कहा, '' मैं इसे किसी तरह की राहत नहीं मानूंगी क्योंकि वह जिसे भी आजमाये उनकी बल्लेबाजी की गहराई कम नहीं होगी। हमें निश्चित रूप से तैयार रहना होगा और पारी के आगाज के लिए जो भी संयोजन आजमाये उसके लिए हमें वास्तव में अच्छी योजना के साथ मैदान में जाना होगा।'' नित्शेके ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली को फिटनेस हासिल करने के लिए पूरा समय दिया जायेगा। हीली पिंडली में मामूली खिंचाव के कारण पिछले दो लीग मैच नहीं खेल पाई थीं। उन्होंने कहा, ''उसने कल (मंगलवार) अच्छी ट्रेनिंग की। मैं उसे कल के मैच से पहले अपनी उपलब्धता पर फैसला लेने के लिए जितना समय चाहिए, उतना समय दूंगी।'' नित्शेके ने कहा कि दोनों में से कोई भी टीम सेमीफाइनल मुकाबले में जीत की प्रबल दावेदार नहीं है।

उन्होंने कहा, ''सेमीफाइनल किसी का भी मैच हो सकता है, मुझे नहीं लगता कि हम कमजोर या दावेदार के रूप में जा रहे हैं। यह बराबरी का और रोमांचक मुकाबला होगा। जो टीम अपना धैर्य बनाए रखेगी और सेमीफाइनल के दबाव को पार कर पाएगी, उसे जीत मिलनी चाहिए।''

रोहित पहली बार आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष एकदिवसीय बल्लेबाज बने

दुबई/भाषा। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अपने शानदार करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

इस 38 साल के दिग्गज ने सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे और अंतिम वनडे में यादगार शतक (नाबाद 121) की बदौलत दो स्थान ऊपर चढ़कर इतिहास रच दिया। उनकी इस पारी से भारत ने नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। दायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली (नाबाद 74) के साथ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने 33वीं वनडे शतकीय पारी के दौरान 13 चौके और तीन छक्के जड़े। रोहित ने अपनी इस पारी से अफगानिस्तान के धाकड़ बल्लेबाज इब्राहिम जदरान और भारत के अपने साथी शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया और पहली बार वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजों की शीर्ष रैंकिंग हासिल की। इस नवीनतम रैंकिंग में रोहित के अलावा कुछ और भारतीय खिलाड़ी अपनी स्थिति को सुधारने करने में सफल रहे। अक्षर पटेल हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में चार स्थान के सुधार के साथ आठवें जबकि गेंदबाजों की सूची में छह स्थान के सुधार के साथ 31वें स्थान पर पहुंच गये हैं। शीर्ष 10 रैंकिंग में सुधार करने वालों में न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर (तीन स्थान के सुधार के साथ चौथे स्थान पर) और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (दो स्थान के सुधार के साथ आठवें) शामिल है।

सुविचार

हर कठिनाई एक अवसर है, जो हमें और मजबूत और सशक्त बनाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिक्षा के साथ संस्कार भी दें

देश में गंभीर अपराधों में उच्च शिक्षित लोगों की बढ़ती भूमिका चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में ऐसे कई लोग बड़े अपराधों में लिप्त पाए गए हैं, जो या तो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे थे या उनके पास कोई डिग्री थी। शिक्षा तो बुराइयों से मुक्त करती है। पहले, जब कोई व्यक्ति किसी गंभीर अपराध में लिप्त पाया जाता था तो यह तर्क दिया जाता था कि शिक्षा के अभाव के कारण वह गलत रास्ते पर चला गया। अब देश में शिक्षा का स्तर काफी बेहतर हो गया है। हर हाथ में मोबाइल फोन है, जिस पर दुनियाभर की जानकारी उपलब्ध है, लेकिन अपराध घटने के बजाय बढ़ ही रहे हैं। बल्कि अपराधों के तौर-तरीके बदल रहे हैं। जब शिक्षा के साथ संस्कार नहीं दिए जाते तो व्यक्ति इसी तरह गुमराह होता है। दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा के एक अभ्यर्थी का खौफनाक हत्याकांड रोंगटे खड़े कर देता है। उसकी लिव-इन पार्टनर पर अपराध को अंजाम देने का आरोप है, जो फोरेंसिक विज्ञान की छात्रा है। उसने अपराध करने से पहले अपने ज्ञान का इस्तेमाल किया, कई वेब सीरीज भी देखीं। युवती ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर उक्त हत्याकांड को हादसे की तरह दिखाने की पूरी कोशिश की, लेकिन पुलिस की तफ्तीश में सच सामने आ ही गया। इन युवक-युवती के बारे में एक और बात हैरान करने वाली है। युवती का आरोप है कि युवक के पास उसके निजी वीडियो थे, जिन्हें वह डिलीट नहीं कर रहा था। ध्यान रहे, ये दोनों अभी 'पढ़ाई' कर रहे थे। जो उम्र ज्ञान प्राप्त करने और चरित्र का निर्माण करने की होती है, उसमें ये क्या गुल खिला रहे थे? यह घोर नैतिक पतन है, जिसकी ओर सरकारों, परिवारों और शिक्षकों को ध्यान देना चाहिए।

शिक्षा का उद्देश्य बेहतर इन्सान बनाना है। अगर किताबें पढ़ने, परीक्षाएं उत्तीर्ण करने, डिग्रियां लेने के बावजूद ऐसे कांड होंगे तो संपूर्ण व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न लगना स्वाभाविक है। नोएडा में पुलिस ने एक युवक को डेढ़ करोड़ रुपए मूल्य की चरस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी बीसीए उत्तीर्ण है। हाल में झारखंड के एक युवक का ऑडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा था, जो बीटेक उत्तीर्ण कर चुका है और ऑनलाइन ठगी करता है। वह अपने तकनीकी ज्ञान का इस्तेमाल लोगों को धोखा देने के लिए करता है। इसी तरह, दिल्ली का एक युवक बहुत अच्छी अंग्रेजी बोलता है। वह बातचीत करने में महारत रखता है। उसकी विनम्रता देखकर कई लोगों को भ्रम हो सकता है। उस युवक पर सोशल मीडिया पर झूठा प्रोफाइल बनाकर कई युवतियों को शादी का झांसा देने और उनसे लाखों रुपए ठगने का आरोप है। ऐसे अनगिनत उदाहरण मिल जाएंगे, जिनसे एक ही संकेत मिलता है- शिक्षा में संस्कारों को शामिल करने की जरूरत है। विद्यार्थियों को सिखाना होगा कि पढ़ाई-लिखाई सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं है। पेट तो पशु भी भर लेता है। हम इन्सान हैं। हम में नैतिकता, मानवता, दया और करुणा की भावना होनी चाहिए। स्कूली बच्चों को बार-बार इस बात का बोध कराना चाहिए कि आपको दी जा रही शिक्षा सिर्फ रोजगार हासिल करने के लिए नहीं है। आपको चरित्रवान भी बनना है, बुराइयों से दूर रहना है। रोजी-रोटी जीवन की जरूरत है। इसके लिए चरित्र को कलंकित नहीं करना है। अगर मानवता और नैतिकता को गंवाकर कुछ हासिल कर भी लिया तो इसमें बहुत बड़ा नुकसान है। ऐसी सफलता ज्यादा दिनों तक साथ नहीं देगी, बल्कि ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर देगी, जहां अंधेरे के अलावा कुछ नजर नहीं आएगा।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा के रामगंजमंडी में आज मातृभूमि के अमर सपूत, राष्ट्र के गौरव और शौर्य के प्रतीक वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी की अश्वारूढ़ प्रतिमा के भव्य अनावरण समारोह में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला।

-ओम बिरला

हम देशभर के अपने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए रबी सीजन के लिए फॉस्फोरस और पोटाश उर्वरकों पर सब्सिडी को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं को किफायती दर पर उर्वरक उपलब्ध हो सकेंगे।

-नरेन्द्र मोदी

आज भारत की महामहिम राष्ट्रपति आदरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने अंबाला एयरफोर्स स्टेशन से अत्याधुनिक राफेल जेट में उड़ान भरकर इतिहास रचा हैं। यह उड़ान देश की नारी शक्ति के आत्मविश्वास, साहस और क्षमता की प्रतीक है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

आत्मज्ञान का रत्न

एक बार गौतम बुद्ध अपने अनुयायियों को साथ लेकर पदयात्रा कर रहे थे। चलते-चलते सभी थक गए, तो वे एक आरामदायक स्थान पर विश्राम करने लगे। अचानक, आकाश में अंधेरा गहरा होने लगा। मन की बेचैनी को दूर करने के लिए सभी अनुयायी गौतम बुद्ध से अपनी-अपनी बात कहने लगे। इसी बीच एक अनुयायी ने जिज्ञासा व्यक्त करते हुए पूछा, 'आप कहते हैं कि चंद्रमा की चौदह कलाएं होती हैं। क्या उसी तरह से मनुष्य के पास भी चौदह रत्न होते हैं? कृपया, इसका ज्ञान दीजिए।' यह सुनकर बुद्ध बहुत शांतचित्त से बोले, 'तेरह धन तो प्रकृति जन्य हैं, जो प्रकृति ने आपको उपहार स्वरूप दे दिए हैं। वे हैंपांच कर्मेंद्रियां, पांच ज्ञानेंद्रियां और मन, बुद्धि और अहंकार। अब चौदहवां रत्न तो वह है, जिसे आपको प्रयास करके स्वयं खोजना पड़ेगा।' 'मगर गुरुदेव, मैं नहीं समझ सका कि वह चौदहवां रत्न क्या है?' अनुयायी ने फिर पूछा। गौतम बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'चौदहवां रत्न या धन हैचित्त। यह चित्त तभी सच्चे रूप में उपलब्ध होता है, जब भीतर ज्ञान का उजाला चमकता है। जब मन में प्रकाश होगा, तभी अंधकार छंटेगा और चित्त सुसंगठित और शांत होगा।'

सामयिक

अक्षय नवमी : सनातन आस्था और अक्षय पुण्य का पर्व

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल: 9989703240

सनातन धर्म में कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाने वाला अक्षय नवमी का पर्व, जिसे लोकप्रिय रूप से आंवला नवमी भी कहते हैं, अत्यधिक शुभ और पुण्य फलदायी माना जाता है। इस पावन तिथि का नाम ही इसके महत्व को स्पष्ट करता है, जहां 'अक्षय' शब्द का अर्थ है 'जिसका कभी क्षय न हो' या जो अविनाशी हो। यह मान्यता है कि इस दिन किए गए सभी शुभ कार्यों, पूजा-पाठ, जप, तप और दान का फल अनंत काल तक बना रहता है, जिसके कारण यह तिथि अक्षय तृतीया के समान ही महत्वपूर्ण हो जाती है।

अक्षय नवमी की तिथि हिन्दू पंचांग के अनुसार निर्धारित होती है। यह प्रतिवर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाई जाती है। वर्ष 2025 में यह पर्व 31 अक्टूबर (शुक्रवार) को मनाया जाएगा। पंचांग के नियमों के अनुसार, चूंकि 31 अक्टूबर को नवमी तिथि सूर्योदय के समय व्याप्त है, इसलिए उदयातिथि के सिद्धांत के अनुसार इसी दिन व्रत और पूजन का विधान मान्य होगा। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर पवित्र नदियों में स्नान करने या गंगाजल मिश्रित जल से स्नान करने का विशेष महत्व है, जिसके बाद आंवले के वृक्ष की पूजा की जाती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय नवमी के दिन द्वापर युग का आरम्भ हुआ था। इस दिन भगवान विष्णु ने कुशमांड दैत्य का वध कर धरती पर धर्म की स्थापना की थी और भगवान श्रीकृष्ण ने कंस वध से पहले वृंदावन की परिक्रमा भी इसी दिन की थी। कुछ स्रोतों के अनुसार, अक्षय नवमी से ही सतयुग का आरम्भ हुआ था, लेकिन सबसे प्रचलित मान्यता द्वापर युग के आरंभ की है। कहा जाता है कि एक बार माता लक्ष्मी पृथ्वी पर आईं और उन्हें यह ज्ञात हुआ कि आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु और भगवान शिव दोनों का वास है। तब उन्होंने आंवले के वृक्ष की पूजा की और उसके नीचे भोजन ग्रहण किया। माता लक्ष्मी के इस कार्य से प्रसन्न होकर त्रिदेवों (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) ने उन्हें अक्षय फल का आशीर्वाद दिया। इसी कथा के आधार पर, आज भी भक्तजन इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा कर उसके नीचे बैठकर भोजन करते हैं और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं, ताकि उन पर माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा बनी रहे।

एक अन्य लोक कथा 'आंवलया राजा' की है, जो यह प्रण लेकर चलते थे कि वे प्रतिदिन सवा मन आंवले का दान करने के बाद ही भोजन ग्रहण करेंगे। उनके बेटे और बहू ने लोभवश उन्हें दान करने से मना किया, जिसके बाद राजा वन चले गए और वहाँ भी उन्होंने आंवले के वृक्ष की पूजा और दान की अपनी परंपरा को जारी रखा। उनके पुण्य प्रताप से वन में भी उन्हें राजसी सुख प्राप्त हुआ, जो दर्शाता है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया दान सदैव अक्षय फल देता है और किसी भी परिस्थिति में व्यक्ति का साथ नहीं छोड़ता।

पर्व का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति के गहन मूल्यों को भी दर्शाता है। यह तिथि विशेष रूप से आंवले के वृक्ष की पूजा के लिए समर्पित है। आंवला, जिसे भारतीय संस्कृति में अमृतफल के समान माना गया है, न केवल औषधीय गुणों से भरपूर है, बल्कि यह वृक्ष पूज्यनीय भी है। आंवले के वृक्ष की परिक्रमा करना और उसकी पूजा करना वास्तव में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति आभार व्यक्त करने का एक सुंदर तरीका है। इस प्रकार यह पर्व हमें आधुनिक युग में पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों के महत्व को समझने का संदेश देता है।

वर्तमान संदर्भ में अक्षय नवमी का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह हमें भौतिकतावादी जीवन से परे जाकर निस्वार्थ कर्म और परोपकार की ओर प्रेरित करता है। आज के दौर में जहां हर कार्य किसी प्रतिफल की अपेक्षा से किया जाता है, वहीं 'अक्षय' फल की अवधारणा हमें यह सिखाती है कि सच्चा सुख और समृद्धि भौतिक संपदा में नहीं, बल्कि उन नेक कार्यों में निहित है जिनका पुण्यफल कभी समाप्त नहीं होता। दान-पुण्य, सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा देकर यह पर्व सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है। मथुरा-वृंदावन में इस दिन की जाने वाली परिक्रमा भी हमें आत्मिक शुद्धि और प्रभु भक्ति के मार्ग पर चलने का संकेत देती है।

संक्षेप में, अक्षय नवमी केवल एक तिथि मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय जीवन पद्धति का वह शाश्वत प्रतीक है जो हमें अच्छे कर्मों के माध्यम से एक ऐसा 'अक्षय' कोष बनाने का अवसर देता है, जिसका लाभ हमें इस लोक में ही नहीं, बल्कि परलोक में भी प्राप्त होता है। यह पर्व सनातन आस्था, प्रकृति के प्रति सम्मान और परोपकार के सिद्धांतों को एक साथ समाहित करता है, जो इसे आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण बनाए हुए हैं।

चिंतन

अगर सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते

प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

इतिहास में 'अगर' शब्द अपनी अपार संभावनाओं से युगों को झकझोर देता है। राष्ट्र-निर्माण के संदर्भ में भी एक प्रश्न सतत भारतीयों के मन में गूंजता रहता है कि यदि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो राष्ट्र की दिशा और दशा कैसी होती?वस्तुतः यह केवल कल्पना नहीं, बल्कि इतिहास की संभावनाओं की गंभीर पड़ताल है।

लौह संकल्प के निर्माता सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उन महामानवों में थे जिन्होंने तलवार नहीं, बल्कि संगठन-शक्ति, दृढ़ इच्छाशक्ति और अद्वितीय प्रशासनिक दृष्टि एवं क्षमता से भारत के भूगोल और चेतना का पुनर्निर्माण किया। लौहपुरुष उपाधि केवल उनकी कठोरता का नहीं, बल्कि अनुशासित व्यवहार और निर्णयात्मक नेतृत्व का प्रतीक थी।उन्होंने लगभग 562 रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित कर यह सिद्ध कर दिया कि राजनीतिक इच्छाशक्ति जब राष्ट्रीय उद्देश्य से प्रेरित हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

मेरा ऐसा मानना है कि यदि सरदार पटेल भारत के प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो भारत का संघीय ढाँचा और भी संयमित एवं सुदृढ़ होता। हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर जैसे जटिल प्रश्नों को जिस निर्णायकता से उन्होंने गृह मंत्री रहते हुए सुलझाया, उसी दृष्टि से वे सीमांत समस्याओं विशेषकर पाकिस्तान, तिब्बत और पूर्वोत्तर सीमा के लिए प्रारंभिक स्तर पर कठोर और व्यावहारिक नीतियाँ अपनाते। संभवतः राज्य बनाम केंद्र का संघर्ष जिस रूप में बाद के दशकों में उभरा, उसकी तीव्रता बहुत कम होती।शासन में अनुशासन और उत्तरदायित्व चरम पर होता। वास्तव में आदरणीय पटेल जी अपने समय के सर्वाधिक व्यावहारिक प्रशासक थे। उन्होंने स्वतंत्र भारत की भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा की स्थापना सुनिश्चित की ताकि नवगठित भारत को एक अनुभवी, निष्पक्ष और राष्ट्रनिष्ठ नौकरशाही मिल सके। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शासन-तंत्र में कर्तव्य अनुशासन' सर्वोच्च पर होता। निर्णय क्षमता और क्रियान्वयन का संतुलन स्थापित होता। कम योजनाएँ, अधिक परिणाम ध्येय बनता।

पटेल जी की अंतरराष्ट्रीय दृष्टि आदर्शवाद से नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वाभिमान की व्यावहारिकता से प्रेरित थी। 1949 में ही उन्होंने नेहरू को पत्र लिखकर चेताया था कि चीन की नीति पर भरोसा करना भविष्य में महँगा साबित होगा।यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो शायद भारत की विदेश नीति भारत पहले के सिद्धांत पर आधारित होती। पंचशील के आदर्श सिद्धान्त के स्थान पर वे सामरिक तैयारी और सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता देते। सम्भवतः 1962 का चीन युद्ध या तो टल जाता, या भारत उससे कहीं अधिक सामरिक तैयारी के साथ लड़ता।

किसान-पुत्र होने के नाते पटेल जी भलीभाँति जानते थे कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो कृषि-सुधार और ग्रामीण स्वावलंबन आर्थिक नीति का अभिन्न अंग बनते। वे निजी क्षेत्र और सहकारिता के बीच संतुलन स्थापित करते। केंद्रीकृत योजना व्यवस्था के स्थान पर वे उत्पादन बढ़ाने में जन-सहभागिता को महत्व देते। संभवतः आत्मनिर्भर भारत का विचार उसी दौर में नीति का मूल दर्शन बन जाता। इतना ही नहीं पटेल जी संविधान सभा में व्यवहारिक और स्पष्ट चिंतन के पक्षधर थे। वे लोकतंत्र को केवल मताधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य-शासन मानते थे। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो राजनीतिक दलों में वैचारिक अनुशासन और राष्ट्रहित सर्वोच्च मूल्य होता। गुटबाजी और व्यक्तिगत सत्ता-लालसा को वे प्रारंभ में ही नियंत्रित कर लेते, जिससे शासन-सातत्य और नीति-स्थिरता अधिक मजबूत होती।

पटेल जी की धर्मनिरपेक्षता भारतीय परंपरा की समन्वय भावना पर आधारित थी जिसमें सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर अग्रसर माने जाते हैं। वे धार्मिक सहिष्णुता को जीवन-मूल्य मानते थे, किंतु राष्ट्रहित के प्रतिकूल उग्र या विभाजनकारी आग्रहों को कभी सहन नहीं करते। यदि वे प्रधानमंत्री होते, तो भारत की धर्मनिरपेक्षता सांस्कृतिक समरसता पर अधिक आधारित होती, न कि पश्चिमी निरपेक्षता के आयातित मॉडल पर। निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि यह भारत का दुर्भाग्य ही था कि उसे सरदार पटेल जैसा कर्मनिष्ठ राष्ट्रशिल्पी प्रधानमंत्री के रूप में नहीं मिल सका। यदि वे होते, तो भारत की नींव अधिक मजबूत, सीमाएँ अधिक सुरक्षित, शासन अधिक अनुशासित और आर्थिक नीति अधिक स्वावलंबी होती। इतिहास बदल नहीं सकता, पर उससे दिशा ली जा सकती है। आज जब भारत विकसित राष्ट्र की राह पर अग्रसर है, तब पटेल का सन्देश हमें स्मरण कराता है कि एकता ही शक्ति है; और राष्ट्रहित से बढ़कर कोई स्वार्थ नहीं।

नजरिया

गोपाष्टमी पर्व : अमृत समान है गाय का दूध, मूत्र और गोबर

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

देश में हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी का त्योहार मनाए जाने की परंपरा है। इस साल गोपाष्टमी 30 अक्टूबर को है। भारत में गाय को मां कहा जाता है और उसकी पूजा की जाती है। घरों में आज भी पहली रोटी गौ माता को खिलाई जाती है। गौ वंश को लेकर इस समय देश की सियासत में गर्माहट है। महाराष्ट्र ने गाय को माता का दर्ज़ा घोषित कर दिया है और अन्य राज्य भी माता घोषित करने की प्रक्रिया में है। केंद्र सरकार से भी मांग की जा रही है कि वह पूरे देश में गाय को माता का दर्ज़ा प्रदान करें। हिंदू धर्म में गाय को मां का दर्जा दिया गया है, साथ ही गाय को बेहद पवित्र और पूजनीय माना गया है।

गाय को छत्तीस कोटि देवी-देवताओं का वास माना जाता है। इस अवसर पर गौ माता की पूजा और सेवा करने का सनातनी विधान है। बताया जाता है कि भगवान श्री कृष्ण ने गोपाष्टमी पर ही गौ-चारण यानी गायों को चराना शुरू किया था। चूंकि श्रीकृष्ण स्वंय गायों की सेवा करते थे, इसलिए इस दिन गौ सेवा का विशेष महत्व बताया गया है। इस गोपाष्टमी के दिन गाय या गाय के बछड़े को हरा चारा खिलाना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा कहते हैं कि इस दिन गाय को हरा चारा खिलाने से दांपत्य जीवन में खुशहाली आती है।

यह त्योहार भगवान श्रीकृष्ण और गायों को समर्पित है। यह मथुरा, वृंदावन और अन्य ब्रज क्षेत्रों में गोपाष्टमी प्रसिद्ध त्योहार है। इस दिन गायों को उनके बछड़े के साथ सजाने और पूजा करने की परंपरा है। आज के दिन श्रीकृष्ण के पिता नंद महाराज ने श्रीकृष्ण को गायों की देखभाल की जिम्मेदारी दी थी और श्रीकृष्ण गायों को चराने वन ले गये थे। गोपाष्टमी पर प्रातः काल में ही धूप-दीप अक्षत, रोली, गुड़, आदि वस्त्र तथा जल से गाय का पूजन किया जाता है और आरती उतारी जाती है। इस दिन कई व्यक्ति ग्वालों को उपहार आदि देकर उनका भी पूजन करते हैं। गायों को खूब सजाया जाता है। इसके बाद गाय को चारा आदि डालकर परिक्रमा करते हैं। परिक्रमा करने के बाद कुछ दूर तक गायों के साथ चलते हैं। ऐसी आस्था है कि गोपाष्टमी के दिन गाय के नीचे से निकलने वालों को बड़ा ही पुण्य मिलता है।

गोपालन भारतीय संस्कृति का हिस्सा हैं। गाय को माता रूप में पूजने और उसके पालन में आमजन के साथ कई संस्थाएं भी लगी हैं जो देशभर में गौशालाएं संचालित करती है। महंगाई के जमाने में गोपालन के प्रति लोगों का मोह भंग सा हो चला था, लेकिन कोरोना काल के बाद देसी नस्ल की गाय के दूध और दुग्ध से बने उत्पादों की मांग फिर से बढ़ी हैं। मिलावटी खानपान से बचने और इम्युनिटी बढ़ाने के लिए शुद्ध दूध,छाछ, दही, घी आदि को लोग प्राथमिकता दे रहे हैं चाहे ये उत्पाद बाजार भाव से भले ही चार गुणा में ही क्यों ना उपलब्ध हो। गाय का दूध, गाय का घी, दही, छांछ यहाँ तक की मूत्र भी मनुष्य जाति के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। गोबर का धुआं अपने आस-पास के वातावरण को भी शुद्ध रखता है। इसके धुएं से घर की सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि एवं पशुपालन का विशेष महत्व है। सकल घरेलू कृषि उत्पाद में पशुपालन का 28-30 प्रतिशत का योगदान सराहनीय है जिसमें दुग्ध एक ऐसा उत्पाद है जिसका योगदान सर्वाधिक है। भारत में विश्व की कुल संख्या का 15 प्रतिशत गायें है और देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 43 प्रतिशत गायों से प्राप्त होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 19.91 करोड़ गायें है। गौसेवा हमारे देश की प्राचीन संस्कृति है। यह संस्कृति ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में भी सहायक होती है। परन्तु वर्तमान समय में हमारी यह संस्कृति धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। गाय कलियुग में संजीवनी स्वरूपा है, गाय मानव जीवन में माता की भूमिका का निर्वाह करती है। गाय का दूध अमृत के सामान होता है और मूत्र औषधि का काम करता है। पहले हर घर में गाय-भैंस का पालन होता था, जिसके कारण बच्चों को दूध के रूप में पौष्टिक आहार भी मिलता था। गौ पालन और पशुपालन से भारी मात्रा में लाभकारी रोजगार का सृजन हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कांग्रेस घुसपैठियों के साथ खड़ी है, वोट के लिए भारत को तोड़ रही है : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर घुसपैठियों के साथ खुलेआम खड़े होने और वोट के लिए भारत को तोड़ने के एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। यह आरोप सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो के बाद लगाया गया है जिसमें कथित तौर पर कांग्रेस के एक नेता असम में सेवा दल की आधिकारिक बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हुए नजर आ रहे हैं। असम में श्रीभूमि जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्हें राज्य के मत्स्य पालन मंत्री कृष्णेंदु पॉल से मामले की जांच करने के मौखिक निर्देश मिले हैं, और हम अब इस मामले को देख रहे हैं।कांग्रेस की असम इकाई ने इस मुद्दे को कमतर आंकते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी लोगों का ध्यान भटकाने के लिए अनावश्यक विवाद पैदा कर रही है। यह घटना सोशल मीडिया पर एक अज्ञात वीडियो के सामने आने के बाद हुई, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारी बिधु भूषण दास दक्षिणी असम की बराक घाटी के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस सेवा दल की बैठक में कथित तौर पर नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्र नाथ टैगोर द्वारा रचित बांग्लादेश का राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दूसरी ओर, भाजपा ने अगले साल होने वाले चुनाव से पहले कांग्रेस पर हमला करने का मौका दोनों हाथों से लपक लिया।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस वर्षों से बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ खड़ी रही है। इसने अपने शासन के दौरान इन घुसपैठियों को बसने में मदद की। और अब, कांग्रेस आधिकारिक तौर पर पार्टी के मंच से उनका समर्थन कर रही है और उसके नेता बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रहे हैं। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह संयोग नहीं है। यह वोट बैंक के लिए एक सोचा-समझा प्रयोग और उद्योग है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इस पर प्रतिक्रिया मांगी।

पूनावाला ने आरोप लगाया, कांग्रेस के एक बड़े नेता उस बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हैं जिसने हाल ही में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर असम को अलग करने के लिए भड़काऊ बयान दिया था। कांग्रेस आधिकारिक तौर पर 'भारत के टुकड़े-टुकड़े' एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सामने आई है। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी अनावश्यक विवाद पैदा कर रही है क्योंकि उसके पास लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कोई अन्य मुद्दा नहीं है।

श्रीभूमि जिला कांग्रेस अध्यक्ष तापस पुरकायस्थ ने कहा, रवींद्रनाथ टैगोर के साथ राजनीति मत कीजिए। हमारे गौरव, 85 वर्षीय कवि विधु भूषण दास ने गीत की केवल दो पंक्तियां गाईं। इस गीत की आलोचना करना रवींद्रनाथ टैगोर का अपमान करना है। भाजपा प्रवक्ता ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य घटकों पर भी निशाना साधा और टीएमसी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार पश्चिम बंगाल में दंगे भड़काने की साजिश रच रही है, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने 11 अन्य प्रदेशों के साथ राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। उन्होंने इस संबंध में कुछ तृणमूल कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल में एसआईआर कराए जाने पर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं पर हिंसा और हमले की धमकी दी है।

श्रद्धांजलि

दिल्ली बम विस्फोट पीड़ितों के परिवार के सदस्य बुधवार को नई दिल्ली में, सरोजिनी नगर मार्केट स्थित विस्फोट स्थल पर 20वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

मनीषा कोइराला ने तिब्बती बौद्ध शिक्षक से जाना 'मृत्यु और पुनर्जन्म' के बीच का रहस्य

नई दिल्ली/एजेन्सी

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित वेबसीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में दमदार एक्टिंग के बल पर डिजिटल डेब्यू करने वाली मनीषा कोइराला हर किसी के दिल में बसती हैं। इस बीच एक्ट्रेस जीवन और मृत्यु के रहस्य को समझना चाहती हैं। उन्होंने तिब्बती बौद्ध शिक्षक और लेखक योंगे मिंग्युर रिनपोछे के साथ जुड़कर इस रहस्य को गहराई से जानने की कोशिश की है।

मनीषा कोइराला बार्डो के बारे में जानना चाहती थी। बार्डो तिब्बती बौद्ध धर्म में मृत्यु और पुनर्जन्म के बीच की स्थिति है, जिसका मतलब है मृत्यु और पुनर्जन्म क्या हैं और उनके बीच जीवन का असली अर्थ क्या है। इसी टॉपिक पर मनीषा कोइराला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने अनुभव शेयर किए हैं। मनीषा ने तिब्बती बौद्ध शिक्षक के साथ फोटोज पोस्ट की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं हमेशा से मृत्यु को समझना चाहती थी, मुझे लगा कि इसे सही मायने में समझने से शायद मेरा उससे डर भी दूर हो जाए। मेरी खोज मुझे द तिब्बती बुक ऑफ लिविंग एंड डाइंग तक ले गई, जहां एक पंक्ति ने मुझे गहराई से प्रभावित किया कि तुम वैसे ही मरते हो जैसे तुम जीते थे।

मनीषा कोइराला ने बताया कि उनकी खोज तिब्बती बौद्ध शिक्षक और लेखक योंगे मिंग्युर रिनपोछे

पर जाकर खत्म हुई, जिनकी क्लासेज के जरिए जीवन का सही लक्ष्य और मृत्यु और पुनर्जन्म के बीच की अवस्था का पता चला। उन्होंने लिखा, मिंग्युर रिनपोछे एक दुर्लभ गुरु हैं, उनका आनंद, विनम्रता और स्पष्टता गहनतम ज्ञान को भी सरल और जीवंत बना देती है। वे केवल शब्दों के माध्यम से ही नहीं, बल्कि अनुभव के माध्यम से भी सिखाते हैं। एक्ट्रेस के पोस्ट से साफ है कि उन्हें गहरे आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति हुई है, जो उन्हें मृत्यु और जीवन के परे लेकर गया। बता दें कि मनीषा कोइराला धर्मगुरु दलाई लामा से भी मुलाकात करती रहती हैं। मनीषा कोइराला ने हाल ही में ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की डिग्री ली है। उन्होंने अपने डिग्री सेरेमनी की वीडियो भी पोस्ट की थी। उन्होंने ये पढ़ाई सिर्फ डिग्री हासिल करने के लिए नहीं की बल्कि जीवन में मनुष्य के सीखते रहने की प्रवृत्ति को आगे बढ़ाने के लिए की थी। इसके अलावा एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी बहुत एक्टिव रहती हैं।

फिल्म निर्माता अमित जानी को बम से उड़ाने की धमकी वाला फोन आया; संभल में मामला दर्ज

संभल/भाषा

संभल जिले में फिल्म निर्माता अमित जानी को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के मुताबिक, जानी ने एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है जिसमें कहा गया है कि 27 अक्टूबर को, मुरादाबाद से संभल जाते समय, बिलारी पार करने के तुरंत बाद शाम चार बज कर 19 मिनट पर उन्हें एक फोन कॉल आया। जानी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, कॉल करने वाले ने खुद को मोहम्मद शब्बीर बताया। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं 'उदयपुर फाइल्स' या 'संभल फाइल्स' बना रहा हूं। जब मैंने हां कहा, तो उसने धमकी दी कि फिल्म की शूटिंग के दौरान या बिहार चुनाव प्रचार के दौरान, वह मुझे मेरी गाड़ी के साथ उड़ा देगा। अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के आधार पर हजरत नगर गढ़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि फोन करने वाले का पता लगाने और धमकी के मकसद पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

'द ताज स्टोरी' पर दायर याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज करते हुए किया फिल्म रिलीज़ का समर्थन

दिल्ली/एजेन्सी

हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी, जिसमें 31 अक्टूबर को देशभर में रिलीज़ होने जा रही फिल्म 'द ताज स्टोरी' पर रोक लगाने या उस पर विशेष पाबंदियां लगाने की मांग की गई थी। यह याचिका अधिवक्ता शकील अब्बास और बीजेपी नेता रजनीश सिंह द्वारा दायर की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया कि यह फिल्म ताजमहल से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का प्रयास कर रही है और इससे साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। याचिकाकर्ताओं ने केंद्र सरकार, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन और फिल्म के निर्माता सीए सुरेश झा, निर्देशक तुषार अमरीश गोयल, लेखक सौरभ एम. पांडेय और अभिनेता परेश रावल को पक्षकार बनाया था। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने इस याचिका को तुरंत सूचीबद्ध करने से इनकार करते हुए कहा है कि मामला सामान्य प्रक्रिया के अनुसार समय आने पर सुना जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने फिल्म की जल्द सुनवाई की मांग यह कहते हुए की थी कि फिल्म के रिलीज़ से ठीक पहले यह इतिहास को विकृत रूप में पेश कर सकती है और साम्प्रदायिक तनाव पैदा कर सकती है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए फिल्म के निर्देशक तुषार अमरीश गोयल ने कहा, 'द ताज स्टोरी' कल्पना या अफवाहों पर आधारित फिल्म नहीं है। हमारी टीम ने छह महीने तक गहन शोध, ऐतिहासिक परामर्श और प्रमाणित साक्ष्यों के आधार पर इसे बनाया है। उइऋउ ने भी हर पहलू को बारीकी से जांचने के बाद ही इसे मंजूरी दी है। हमारा उद्देश्य कभी किसी समुदाय को भड़काना नहीं था, बल्कि एक रिसर्च-आधारित दृष्टिकोण पेश करना था, जिससे लोग सोचें और चर्चा करें। मैं दिल्ली हाईकोर्ट के इस फैसले का सम्मान करता हूं, जिसने रचनात्मक स्वतंत्रता की भावना को बनाए रखा। सिनेमा को हमेशा सच, शोध और निडर अभिव्यक्ति का माध्यम रहना चाहिए।

वहीं, निर्माता सीए सुरेश झा ने कहा, 'द ताज स्टोरी' पर लगाए गए सभी आरोप और दायर की गई झखड पूरी तरह निराधार हैं। हमने यह फिल्म पूरी ईमानदारी, जिम्मेदारी और अपने इतिहास के प्रति सम्मान के साथ बनाई है। हमारा मकसद केवल सच्ची कहानी को दुनिया तक पहुंचाना है, जो जिज्ञासा और संवाद को जन्म दे, ना कि विभाजन को। गौरतलब है कि रिलीज़ से कुछ दिन पहले ही बढ़ते विवादों के बीच 'द ताज स्टोरी' कला की स्वतंत्रता और ऐतिहासिक जवाबदेही के बीच टकराव का केंद्र बन गई है।

फिलहाल परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ तथा नमित दास जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों से सजी और स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज़ के बैनर तले निर्मित फ़िल्म 'द ताज स्टोरी' एक प्रखर सामाजिक नाटक है, जो निर्भीकता से यह प्रश्न उठाती है कि स्वतंत्रता के 79 वर्षों बाद भी क्या हम बौद्धिक गुलामी से पूरी तरह मुक्त हो पाए हैं? रोहित शर्मा तथा राहुल देव नाथ के संगीत निर्देशन में बनी फिल्म 'द ताज स्टोरी' का भव्य प्रदर्शन 31 अक्टूबर 2025 को भारत के सभी सिनेमाघरों में किया जाएगा।

भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा उपयोग नहीं होने का खतरा : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश के कम उपयोग के ''गंभीर जोखिम'' का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि करीब 1.20 करोड़ युवा हर साल कार्यबल से जुड़ रहे हैं लेकिन इनमें से केवल 10 प्रतिशत ही 'ग्रीन स्किल' से युक्त होते हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत में 2047 तक 3.5 करोड़ हरित नौकरियां पैदा हो सकती हैं। 'ग्रीन स्किल' वह ज्ञान, योग्यताएं, मूल्य और दृष्टिकोण हैं जो संसाधन-कुशल समाज में रहने, उसे विकसित करने और समर्थन देने के लिए आवश्यक हैं।

यूनिसेफ युवा ने 'सतत भारत के लिए युवा: हरित कौशल और रोजगार पथ' नाम से रिपोर्ट जारी की है। इसे कैपजेमिनी, सेक्टर स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स (एससीजीजे), काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) और सत्व के सहयोग से तैयार किया गया है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2022 और 2023 के बीच वैश्विक स्तर पर कम से कम एक 'ग्रीन स्किल' की आवश्यकता वाली नौकरियों का अनुपात 22.4 प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन ऐसे कौशल वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी केवल 12.3 प्रतिशत बढ़ी है, जिससे मांग और प्रतिभा के बीच असंतुलन बढ़ रहा है। भारत में 80.8 करोड़ लोगों की उम्र 35 वर्ष से कम हैं। अध्ययन के मुताबिक 2047 तक 3.5 करोड़ तक हरित रोजगार सृजित किये जा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, ''हालांकि, भारत में प्रतिवर्ष लगभग 1.2 करोड़ युवा कार्यबल से जुड़ते हैं जिनमें से केवल 10 प्रतिशत को ही किसी प्रकार का 'ग्रीन स्किल' प्राप्त होता है, जिससे इसके जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा उपयोग न हो पाने का जोखिम बना रहता है।''

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अंतर कई संरचनात्मक चुनौतियों में निहित है। इसके मुताबिक पहली चुनौती 'ग्रीन स्किल' का असमान वितरण है। दिल्ली और मुंबई जैसे टियर-1 शहरों में हरित रोज़गार सृजन का दबदबा है, जबकि जयपुर, इंदौर, विशाखापत्तनम, अहमदाबाद, कोयंबटूर, भुवनेश्वर और चंडीगढ़ जैसे टियर-2 और टियर-3 शहरों के वित्त वर्ष 2028 तक हरित रोजगार में 40 प्रतिशत तक योगदान देने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया कि दूसरी चुनौती, पारंपरिक कौशल कार्यक्रम भी विरासत क्षेत्रों पर केंद्रित रहते हैं।

इसके मुताबिक तीसरी चुनौती ग्रामीण, निम्न आय या हाशिए पर रहने वाले समुदायों के युवाओं में हरित करियर अपनाने के लिए जागरूकता, पहुंच और अनुकूल परिस्थितियों (जैसे परिवहन, वजीफा या उद्योग संपर्क) का अभाव है।

रिपोर्ट में कृषि, निर्माण, वस्त्र, अपशिष्ट प्रबंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को हरित रोजगार सृजन के लिए प्राथमिकता वाले पांच क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है। इसमें नीति निर्माताओं, उद्योग और नागरिक समाज से आग्रह किया गया है कि वे न्यायसंगत और समावेशी हरित परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण, वित्तपोषण और रोजगार रणनीतियों को संरेखित करें।

विरोध

अमृतसर में बुधवार को वाल्मीकि समुदाय के सदस्य राम तीरथ मंदिर में कथित अनादर के विरोध में नारे लगाते हुए।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफ: लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी

को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ।

उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने 'शीला की जवानी' से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं।

इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फन्र्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, 'मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं।' मैं बहुत आभारी थी क्योंकि यह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित एक बहुत ही खूबसूरत कहानी थी। मैंने इसके लिए तेलुगु में ऑडिशन भी दिया था।

निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा ने खोले 'जटाधारा' की आध्यात्मिकता के साथ काली दुनिया के राज

मुंबई/एजेन्सी

जी स्टूडियो और प्रेरणा अरोड़ा की फिल्म 'जटाधारा' का ट्रेलर रिलीज़ होते ही यह फिल्म देशभर में जबरदस्त चर्चा का विषय बन गई है। विशेष रूप से फिल्म की भावनात्मकता के साथ भव्य विज़ुअल्स ने जहां दर्शकों को झकझोर कर रख दिया है, वहीं सुधीर बाबू के शक्तिशाली आध्यात्मिक किरदार और सोनाक्षी सिन्हा के रहस्यमय और खतरनाक अवतार ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध और स्तब्ध कर दिया है। ऐसे में 7 नवंबर 2025 को भारत के सभी सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही सुपरनैचुरल फिल्म 'जटाधारा' एक अविस्मरणीय सिनेमा का अनुभव देने का वादा करती है।इस सिलसिले में फिल्म की निर्मात्री प्रेरणा अरोड़ा कहती हैं, ट्रेलर को जिस तरह दर्शकों का प्रतिसाद मिला है, यह मेरे लिए काफी भावुक और प्रेरणादायक है। सच कहूँ तो निर्माता के रूप में यह मेरे 'विश्वास' को हमेशा बल देता रहा है। विशेष रूप से जब मैंने 'रुस्तम', 'टॉयलेट: एक प्रेम कथा' और 'पैडमैन' जैसी फिल्में बनाई थीं, तब भी उन सभी फिल्मों के विषयों ने मुख्यधारा सिनेमा में पहली बार आने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर चर्चा पैदा की थी।

यही दृढ़ विश्वास मुझे अपनी अगली फिल्म 'जटाधारा' के साथ भी था और अब जब लोग उससे इतनी गहराई से जुड़ रहे हैं, तो मेरे लिए यह बेहद संतोषजनक है।हालांकि जब उनसे 'स्त्री 2', 'मुंज्या' और 'कांतारा' जैसी हालिया सुपरनैचुरल फिल्मों के संदर्भ में पूछा गया, तो प्रेरणा ने कहा, 'जटाधारा' इन सबसे अलग है क्योंकि यह न तो कॉमेडी है और न फैंटेसी। यह आध्यात्मिकता के साथ सिर्फ काले जादू या डर के बारे में नहीं है, बल्कि विश्वास से जुड़े उन मासूम साधारण लोगों की कहानी है, जो असाधारण शक्तियों में उलझ जाते हैं। यहाँ डर सिर्फ दिखाई नहीं देता, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। हालांकि यहां हम काले जादू के ज़रिये उसका मनोरंजन नहीं कर रहे हैं, बल्कि उसके परिणामों की बात कर रहे हैं।समाज में फैले काले जादू जैसे वर्जित विषय पर बात करते हुए प्रेरणा ने यह भी बताया, यह काल्पनिक नहीं, बल्कि सच्चाई है।

आज हम भले ही सोशल मीडिया और पॉडकास्ट के युग में जी रहे हों, फिर भी काले जादू से जुड़ी घटनाओं की कहानियां छोटे-छोटे गाँवों और प्रांतों के साथ बड़े-बड़े शहरों और प्रभावशाली जगहों से भी सामने आ रही हैं। हालांकि 'जटाधारा' इसे सनसनीखेज़ बनाने की बजाय सच्चाई के साथ दिखाती है। यहाँ काला जादू किसी साइड ट्रैक की तरह नहीं, बल्कि कहानी की आत्मा है, जो किरदारों की तकदीर तय करती है।गौरतलब है कि फिल्म के कुछ दृश्यों को लेकर सेंसर प्रक्रिया के दौरान काफी चुनौतियाँ आईं लेकिन फिल्म टीम ने अपने विज़न से कोई समझौता नहीं किया। इस पर प्रेरणा कहती ती हैं, ऐसे विषय पर हमें पहले से ही पता था कि यह हम सबके लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

जहां से मिले वहां से गुणों को ग्रहण करना चाहिए : संतश्री ज्ञानमुनि

आचार्य मानजी स्वामी की जयंती मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि गुणवान व्यक्ति की महिमा गाई जाती है। मानव जैसा भी है, अगर उसमें गुण हैं तो एक न एक दिन उसकी पहचान होगी। मनुष्य कितना भी सुंदर हो, कितना भी धनी हो, अगर गुणवान नहीं है तो सब मामला गड़बड़ है।

संसार हो या स्वर्ग, गुणी की हर जगह पूछ होती है। जिसको गुण और ज्ञान प्राप्त हो गया, वह मनुष्य अहंकार से बहुत दूर हो जाता है। अज्ञानी मानव थोड़ा सा ज्ञान होने पर अहंकार करने लगता है लेकिन गुणी मानव ऐसा कभी नहीं करता है। जहां गुण और ज्ञान है वहां अहंकार नहीं होना चाहिए, इसलिए गुण जहां से मिले वहां से गुण और ज्ञान प्राप्त कर लेना चाहिए। जब

मनुष्य को अंतर ज्ञान प्राप्त हो जाता है तो वह संसार से मुक्त होने की कोशिश करने लगता है। संसार में मनुष्य का नहीं बल्कि उसके गुणों का आदर होता है। मानव कितना भी धनी हो, अगर ज्ञान नहीं है तो सब बेकार है। गुणी मनुष्य समय को समझते हुए आगे बढ़ने का कार्य करता है। भाग्य के बिना कुछ नहीं मिलता है। अगर भाग्य है तो बिना मांगे सब मिल जाता है। अच्छे-बुरे कर्मों के हिसाब से ही मानव का भाग्य बदलता है, इसलिए अच्छा समय हो तो अच्छे कार्य करते हुए गुणों को ग्रहण करते रहना चाहिए।

प्रवचन के दौरान ही ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में आचार्य मानजी स्वामी की जयंती, दीक्षा दिवस और पुण्यतिथि मनाई गई। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आचार्य मानजी स्वामी मेवाड़ के बहुत ही पुण्यवान संत थे। उनका जन्म देवगढ़ में हुआ, उन्होंने 9 वर्ष की उम्र में दीक्षा ग्रहण की थी। कार्तिक सुदी 5 को उनका जन्म, दीक्षा व महानिर्वाण हुआ।

मानजी स्वामी बहुत ही विनयवान और बहुत ही प्रतापी साधु थे। उनके भक्त उन्हें भगवान के रूप में पूजते हैं। जीवन में गुणवान मनुष्य को ही सम्मान मिलता है। अज्ञानी मानव कुछ नहीं कर पाता है। जहां ज्ञान नहीं वहां कुछ नहीं होता हैं, इसलिए मानव को जहां से हो वहां से ज्ञान प्राप्त कर लेना चाहिए। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया एवं कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने धन्यवाद दिया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड ने संचालन किया।

कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन के दीपावली मिलन में नए पदाधिकारियों का हुआ चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गंगानगर स्थित एक होटल में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व गणेश वंदना से हुआ। दीपावली स्नेह मिलन का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी एकता, सद्भाव और सहयोग की भावना को सशक्त बनाना रहा। इस अवसर पर प्रांतीय सम्मेलन के नए पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें पंकज कुमार जालान को अध्यक्ष, स्नेहकुमार जाजू को महासचिव व मनीष अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया। शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल एवं बेंगलूरु जिला अध्यक्ष अरुण खेमका ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को समाज के उत्थान और सेवा के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने के लिए शपथ दिलवाई। नए पदाधिकारियों का सम्मान पूर्व अध्यक्ष रमाकांत सराफ, कर्नाटक महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल एवं जिला कोषाध्यक्ष प्रिंस जैन ने किया। ङ्कसर्वप्रथम प्रांतीय अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुभाष अग्रवाल, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, गोडवाड़ भवन के महासचिव कुमारपाल सिसोदिया, सम्मेलन के जिला अध्यक्ष अरुण खेमका, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल, सालासर हनुमानजी के निर्माणाधीन मंदिर के अध्यक्ष प्रमोद मुरारका, नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष पंकज जालान, परिधि महिला शाखा की अध्यक्षा माया अग्रवाल, प्रोफेशनल शाखा के अध्यक्ष दीपक जैन ने सभा को सम्बोधित करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों और अतिथियों का सम्मान किया गया। नए अध्यक्ष पंकज जालान ने अपनी नियुक्ति पर सभी को धन्यवाद देते हुए समाज हित में कार्य करने का आश्वासन दिया। संचालन शिव कुमार टेकरीवाल ने किया।

मानव प्रत्येक परिस्थिति में समभाव रखें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में कीड़ी से लेकर हाथी तक, इंसान से लेकर देवलोक के देवता तक सब जीव सुख चाहते हैं। कोई भी दुःख नहीं चाहता। लेकिन आश्चर्य की बात है कि दुःख न चाहने पर भी दुःख के कारणों को कोई छोड़ना नहीं चाहता। बबूल बो रहे हैं और कांटे नहीं चाहिए, यह कैसे संभव हो सकेगा ? कांटे नहीं चाहिएं तो बबूल बोना बंद कर दें, पाप कार्य करना बंद कर दें, तो कांटे नहीं मिलेंगे, दुःख नहीं मिलेगा। आध्यात्मिक सुख की प्राप्ति कषायों को क्षीण करने पर, इच्छाओं के अभाव होने पर होती है। सच्चा साधक वही है जो मन में अनूकूल या प्रतिकूल किसी भी परिस्थिति में राग द्वेष नहीं करता है। हर परिस्थिति में व समभाव धारण कर अपने शुभ आत्म भावों में लीन, तटस्थ रहता है। जीवन में सुख-दुख दिन-रात की तरह परिवर्तनशील है। जहां तक हमारी अपेक्षाएं हैं वहां तक दुःख है। सभी समस्याओं का समाधान बाहर नहीं, भीतर आत्मा में, मन में है और वह है संतोष, अपनी इच्छाओं को कम करना, उन्हें सीमित करने पर ही संसार में दुख से मुक्ति संभव है।ङ्क संतश्री ने कहा कि परिस्थिति को नहीं अपनी मनोस्थिति को बदलने का प्रयास करना चाहिए। यदि आपकी मन स्थिति बराबर है तो फिर आपके सामने कोई भी परिस्थिति हो, आप उससे घबराएँगे नहीं, दुःखी नहीं अनुभव करेंगे। अपने अधिकार के साथ व्यक्ति को हमेशा अपना कर्तव्य भी याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा, जन्म के साथ मृत्यु निश्चित है। हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। अपने मन में नकारात्मक विचारों को जगह नहीं दे। हमेशा दूसरों में बुराई नहीं अच्छाई, उनके गुण देखने का भाव रखना चाहिए। सदैव खुद के दोषों, अवगुणों को देखना चाहिए और अपनी उन बुराइयों, अवगुणों, दोषों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

तभी आपका जीवन आनंदमय, खुशहाल, सुखी समृद्ध, शान्त बन सकता है।शालिभद्रमुनिजी ने एक प्रेरक आध्यात्मिक मधुर भजन पेश करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। साध्वी तरुणशीलाजी ने मानव जीवन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अपने जीवन में मानवता के विशिष्ट गुणों को धारण करने की बात कही।

श्याम मंदिर में बाबा श्याम का 'जन्मोत्सव' 1 नवम्बर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को देवउठनी एकादशी के मौके पर बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि जन्मोत्सव के मौके पर शाम 4 बजे से मंदिर परिसर में भजन संध्या के माध्यम से स्थानीय भजन गायक बाबा को रिझाएंगे तथा बाबा का गुणगान करेंगे। इस मौके पर श्याम बाबा को मिल्क केक का प्रसाद चढ़ाया जाएगा। जन्मोत्सव पर श्याम बाबा की प्रतिमा का विशेष कलाकारों द्वारा आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा तथा मंदिर की विशेष सजावट की जाएगी।

मन्दिर कमेटी ने सभी श्याम भक्तों को जन्मोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया है। मंदिर में महाप्रसाद की व्यवस्था भी रखी गई है। जन्मोत्सव को लेकर श्याम भक्तों में विशेष उत्साह है ।

हुड्डी स्थित सदरमंगल तालाब पर छठ पूजा में उमड़ा जनसैलाब

दो दिवसीय महोत्सव में शामिल हुए अनेक राजनेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जन सहयोग संगठन के तत्वावधान में व्हाइटफील्ड हुड्डी के सदरमंगल तालाब पर दो दिवसीय छठ पूजा का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय सांसद पी सी मोहन, महादेवपुरा की विधायक मंजुला अरविंद लिम्बावली, व केआरपुरम के विधायक बैरती बसवराज शामिल हुए। सभी राजनेताओं ने उत्तरभारतीय प्रवासियों का स्वागत करते हुए सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गत 18 वर्ष से प्रवासियों के लिए संगठन द्वारा निरंतर छठ पूजा का आयोजन किया जाना अपने आप में सराहनीय है। संगठन के अध्यक्ष वीरबहादुर सिंह ने सभी का स्वागत किया। सोमवार को सायंकालीन अर्घ्य व मंगलवार को प्रात:कालीन अर्घ्य में हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने छठ मैया के गीत गाए तथा भगवान भास्कर को अर्घ्य दिए। महिलाओं ने परंपरागत गीतों के साथ सूर्य देवता की आराधना की और समाज के सुख, समृद्धि एवं स्वास्थ्य की कामना की।

मरुधरा जैन संघ का 'दीपावली स्नेह मिलन' भिक्षु धाम पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय मरुधरा जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन 2 नवम्बर को टुमकुर रोड स्थित भिक्षु धाम में रखा गया है। संघ के अध्यक्ष जवरीलाल लुनावत ने बताया कि संघ के 32वें स्नेह मिलन की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। संघ के कार्यकारिणी, नवयुवक मंडल, महिला मंडल, भोजन समिति व व्यवस्था समिति के सदस्यों ने तैयारियों की समीक्षा कर जिम्मेदारियां बांट ली हैं। इसी संदर्भ में शनिवार को स्नेह मिलन स्थल पर पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए विभिन्न स्थलों से बस की व्यवस्था की गई है।

'कीया' की वार्षिक बैठक में 'इनर स्टोरी ट्रेड फेयर' पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (कीया) की छठी वार्षिक बैठक एक होटल में आयोजित हुई जिसमें वार्षिक लेखा जोखा सहित जुलाई माह में हुए 'इनर स्टोरी ट्रेड फेयर' के बारे में चर्चा हुई। अध्यक्ष दिलीप वेदमुथा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी सहयोगी व कार्यकर्ताओं को ट्रेड फेयर के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। महिपाल जैन ने संचालन करते हुए गत बैठक की रिपोर्ट पढ़ी व वर्तमान बैठक की रूपरेखा बताई। संगठन के सचिव रवींद्र बंबोली ने गत जुलाई माह में हुए इनर स्टोरी ट्रेड फेयर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस फेयर में देश की नामी गिरामी ब्रांडों व कम्पनियों ने भाग लिया था परिणामस्वरूप इनरवियर उद्योग जगत में कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की अच्छी पैठ बनी। बम्बोली ने वर्ष 2024-25 के आय-व्यय का लेखा जोखा पेश किया। कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन ने एसोसिएशन की आर्थिक स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए। लीगल टीम के चेयरमैन व उपाध्यक्ष महावीरचंद मेहता ने लीगल टीम को और मजबूत करने पर जोर देते हुए सभी को एकसाथ व एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। संगठन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, पूर्व अध्यक्ष रमेश जैन, सहकोषाध्यक्ष विनोद चौहान, सहसचिव जिनेन्द्र जैन, सहसचिव शेंकी जैन, राजेश चोपड़ा, मूलसिंह राजपुरोहित, मनीष जैन, महेंद्र जैन, माधुराम खदाव आदि उपस्थित थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

पावर ग्रिड ने वॉकथॉन का आयोजन कर जागरूकता का प्रसार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के तहत महारत्न कंपनी पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड देशभर में अपने सभी प्रतिष्ठानों में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रही है। इसकी थीम 'सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी' है। इस दौरान आम जनता, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें भ्रष्टाचार की बुराइयों और समाज पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला जा रहा है।

इसी सिलसिले में, पावर ग्रिड कार्यालय परिसर के आस-पास जागरूकता फैलाने के लिए बुधवार को क्षेत्रीय मुख्यालय के कर्मचारियों के लिए वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इसे दक्षिणी क्षेत्र-2 के मुख्य महाप्रबंधक (प्रभारी) मुकुंद शरद हेजिब ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने में हर नागरिक के सहयोग पर ज़ोर दिया।

वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाने से पहले, मुकुंद शरद हेजिब ने सभी कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। वॉकथॉन के बाद, आरटीओ, सिंगनायकनहल्ली और मैजेस्टिक बस डिपो पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

सत्संग दुखों की औषधि और आत्मा की शांति का मार्ग : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ. वरुण मुनि जी ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य के जीवन के सारे दुखों का अंत केवल सत्संग और सत्य मार्ग की साधना से ही संभव है। गुरुदेव ने कहा कि जब मनुष्य सच्चे संतों की वाणी सुनता है, तब उसका अंतर्मन शुद्ध होता है, विचारों में स्पष्टता आती है और जीवन की दिशा बदल जाती है। संसार के भोग-विलास, मोह-माया और अस्थायी सुख मन को क्षणिक तृप्ति देते हैं, परंतु सत्संग आत्मा को स्थायी शांति प्रदान करता है। संतश्री ने कहा कि सत्संग केवल शब्द नहीं, यह आत्मा का स्नान है। जब हम संतों के वचन सुनते हैं, तो भीतर के अंधकार मिटने लगते हैं और दुख अपने आप दूर हो जाते हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे सूर्य का प्रकाश अंधकार को मिटा देता है, वैसे ही संत वचन जीवन के तम को हर लेते हैं। ङ्कसंतश्री ने कहा कि जीवन में रोज़ कुछ पल सत्संग के लिए निकालिए। सत्संग आत्मा की औषधि है जो इसे सुनता है, उसके जीवन से दुख, भय और भ्रम सब मिट जाते हैं। सत्संग सुनने वाला व्यक्ति अपने भीतर के दोषों, क्रोध, लोभ, अहंकार को पहचानने लगता है और धीरे-धीरे उसका अंतर्मन निर्मल हो जाता है। प्रवचन का शुभारंभ रूपेश मुनिजी के मधुर भजनों से हुआ। उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

बीएचईएल का शुद्ध मुनाफा दूसरी तिमाही में तीन गुना होकर 375 करोड़ रुपये पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सरकारी स्वामित्व वाली भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने बुधवार को कहा कि मुख्य रूप से उच्च राजस्व के कारण सितंबर में समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध मुनाफा एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में तीन गुना से अधिक होकर 374.89 करोड़ रुपये हो गया। भेल ने एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी।

कंपनी को 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में 106.15 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा हुआ था। तिमाही में कंपनी की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 6,695.37 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 7,686.41 करोड़ रुपये हो गई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**